हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 299, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 18 अप्रैल, 2022 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

जहांगीरपुरी हिंसा का मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार भारी संख्या में पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात

मुख्य साजिशकर्ता अंसार सहित 14 लोगों को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी हिंसा मामले में पुलिस एक्शन मोड में है। आरोपितों की धरपकड़ के लिए लगातार छापेमारी चल रही है। अभी तक दिल्ली पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही हिंसा में शामिल मुख्य साजिशकर्ता अंसार को भी पुलिस ने दबोच लिया है। अंसार पर फायरिंग करने का आरोप भी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वह पहले दो मामलों में भी शामिल पाया गया है। इसके अलावा जुआ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम के तहत उसके खिलाफ पांच बार मामला दर्ज किया गया था। डीसीपी नॉर्थ-वेस्ट उषा रंगनानी ने जानकारी देते हुए बताया कि जहांगीरपुरी हिंसा के सिलसिले में 5 और आरोपी गिरफ्तार किया गया हैं। हिंसा में शामिल अभी तक कुल 14 लोग पुलिस की गिरफ्त में हैं। वहीं पूरे इलाके में सुरक्षा व्वस्था और कड़ी कर दी गई है। इलाके को छावनी में तब्दील करते हुए बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती है। शनिवार को हिंसा में 8 पुलिसकर्मियों और 1 नागरिक सहित 9 लोग घायल हो गए थे। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। एक सब-इंस्पेक्टर को गोली भी लगी है, उनकी हालत स्थिर है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही और गिरफ्तारी की जाएगी। जहांगीरपुरी हिंसा में

शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, जहांगीरपुरी हिंसा प्रभावित क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स तैनात कर दी गई है। दरअसल, हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर जहांगीरपुरी इलाके में शोभायात्रा पर किया गया हमला सुनियोजित था। यह शोभायात्रा अपराह्न बाद चार बजे ईई ब्लाक से निकाली गई थी। शोभायात्रा जब सी ब्लाक पहुंची तो विशेष समुदाय के लोगों की ओर से अचानक शोभायात्रा पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया जाता है। इस अप्रत्याशित हमले से शोभायात्रा में शामिल लोग खुद को संभालते कि दूसरे समुदाय के धार्मिक स्थल के निकट स्थित मकानों की छतों पर से भी ईंट, पत्थर के साथ ही कांच की बोतलों आदि से हमला और तेज कर दिया गया। इलाके के ही नितिन व साहिल आदि प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो छतों से पत्थर-बोतलों से हमला करने वालों में महिलाएं भी शामिल थीं। गाली देते हुए हाथों में तलवारें और अन्य हथियार लेकर हमला करने का भी प्रयास किया। हथियार हवा में लहराते हुए प्रदर्शन भी शुरू कर दिया। इसी दौरान कुछ हमलावरों ने वाहनों में तोड़फोड़ के साथ ही उन्हें आग के हवाले कर पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। शोभायात्र में शामिल लोगों ने बताया कि जिस तरीके से हमले की शुरूआत हुई, उससे यह स्पष्ट था कि हमलावरों ने पहले से ही ईंट, पत्थर, बोतलें जमा कर रखीं थीं और शोभायात्र के पहुंचते ही हमला कर दिया। संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत दिल्ली पुलिस के आसपास के थानों के पुलिसकर्मियों समेत अर्ध सैनिक बलों की तैनाती कर दी गई। मौके पर करीब 400 सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए। हालांकि, हिंसा के बाद इलाके में लोगों के बीच दहशत का माहौल बना हुआ है।

कश्मीर में सीसीटीवी की नजर से नहीं बच पा रहे आतंकी

श्रीनगर। कश्मीर में सुरक्षाबलों की मुस्तैदी और सीसीटीवी कैमरे की निगरानी से आतंकियों की कमर टूट रही है वे अपनी जान बचाते फिर रहे हैं। आतंकी अब सीसीटीवी कैमरों से पूरी तरह डरे हुए हैं। वे लोगों को सीसीटीवी कैमरे न लगाने का फरमान सुनाते हुए कह रहे हैं इनसे दूर रहो, अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहें। वे इसे आम कश्मीरी औरतों की निजता के साथ जोड़ते हुए कह रहे हैं कि इनमें हमारी मां-बहनों की तस्वीरें कैद हो जाती हैं। इस बीच, पुलिस ने आतंकी धमकियों का संज्ञान लेते लोगों को पूरी सुरक्षा का यकीन दिलाते हुए कहा कि धमकी देने वाले जल्द पकड़े जाएंगे। जहां सीसीटीवी कैमरा होगा, वहां पकड़े जाने के डर से आतंकी नहीं आएंगे। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में विशेषकर कश्मीर घाटी में आतंकियों द्वारा बीते दिनों भीड़ भरे इलाकों में ग्रेनेड हमले किए जाने और निर्दोष नागरिकों को उनके घरों में दाखिल हो मौत के घाट उतारे जाने की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए सभी भीड़ भरे स्थानों, धर्मस्थलों, सभी प्रमुख व्यापारिक प्रतिष्ठानों और बाजारों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया है। निर्देश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

पोरबंदर-दिल्ली मार्ग पर उड़ान 27 अप्रैल से शुरू होगी: मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारत सरकार की आरसीएस उड़ान (यूडीएएन) योजना के तहत केशोड़-मुंबई मार्ग पर उड़ान संचालन शुरू कर दिया। एलायंस एयर को उड़ान आरसीएस- 4.1 बोली प्रक्रिया के तहत यह मार्ग प्रदान किया था। इस नए मार्ग पर उड़ान के साथ ही उड़ान-आरसीएस योजना के तहत अब 417 मार्गों पर हवाई संचालन किया जाएगा। इसके उद्घाटन समारोह में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, गुजरात सरकार में सड़क और भवन, नागरिक उड्डयन, पर्यटन और तीर्थयात्रा विभाग कैबिनेट मंत्री पुरेश मोदी, गुजरात के पशुपालन राज्य मंत्री देवभाई मालम, पोरबंदर से संसद सदस्य रमेश धदुक, जूनागढ़-गिर सोमनाथ से संसद सदस्य राजेश चुडासमा, गुजरात में मानवदर से विधानसभा सदस्य जवाहर चावड़ा, पोरबंदर से विधान सभा सदस्य बाबूभाई बोखिरिया, नागरिक उड्डयन मंत्रालय में सचिव राजीव बंसल, नागरिक उड्डयन मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्रीमती उषा पाधी, एलायंस एयर के सीईओ विनीत सूद और गुजरात राज्य सरकार, एमओसीए, एएआई और एलायंस एयर के कई अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

एयरलाइन बुधवार, शुक्रवार और रविवार को सप्ताह में तीन बार अपनी उड़ानें संचालित करेगी और इस मार्ग पर कम दूरी की उड़ानों के लिए डिजाइन किए गए अपने एटीआर 72-600, 70 सीटों वाले टर्बो प्रोप विमान को तैनात करेगी। साथ ही, एलायंस एयर उड़ान योजना के तहत केशोड़ को मुंबई से जोड़ने वाली पहली एयरलाइन बन जाएगी। इस अवसर पर नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम.सिंधिया ने कहा कि ह्मैं गुजरात में विशेष रूप से केशोड़ में आकर धन्य और सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिसका हमारे इतिहास में एक स्थान है और उड़ान (यूडीएएन) योजना के तहत इस नई उड़ान के साथ जो हम आज शुरू कर रहे हैं वह उस जगह को जोड़ेगी जो हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को देश की वित्तीय राजधानी के रूप में प्रिय थी। दो मशहूर विश्व प्रसिद्ध पर्यटक आकर्षण - सोमनाथ मंदिर और गिर राष्ट्रीय उद्यान केशोड़ के पास स्थित हैं। इस नए रूट के शुरू होने से पर्यटक आसानी से दोनों जगहों पर जा सकेंगे। इसके अलावा केशोड़ में फर्नीचर, कपड़ा, रसायन, सीमेंट आदि जैसे विभिन्न उद्योग स्थापित हैं, जो नए उड़ान मार्ग के शुरू होने से लाभान्वित होंगे। केंद्रीय मंत्री ने विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि "आज से नया उड़ान मार्ग शुरू करने के अलावा, हम केशोड़ को राज्य की राजधानी अहमदाबाद से भी जोड़ेंगे। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में, अहमदाबाद को भारत के 3 शहरों - अमृतसर, आगरा और रांची से जोड़ा गया है। इसी तरह पोरबंदर और राजकोट को मुंबई से जोड़ा गया है।

गोरखपुर में सीएम योगी ने अधिकारियों को चेताया बख्शे नहीं जाएंगे भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 900 करोड़ रुपये के खर्च से गोमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर बन रहे गोड़धोइया नाला को इस तरह विकसित करने के लिए कहा है कि

जलनिकासी में कोई व्यवधान भी न आए और सड़क पर हरियाली भी नजर आए। कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण करने पर विशेष जोर देते हुए सीएम योगी ने चेतावनी दी कि अगर भ्रष्टाचार की शिकायत मिली तो कार्रवाई भी कड़ी होगी। निमार्णाधीन सैनिक स्कूल पहुंचे मुख्यमंत्री ने मार्च 2023 तक निर्माण पूर्ण करने का निर्देश देते हुए कहा कि अगले सत्र से यहां पढ़ाई शुरू हो जानी चाहिए। गोरखनाथ मंदिर में अधिकारियों संग बैठक कर मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा की। दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले खाद कारखाना परिसर स्थित निमार्णाधीन सैनिक स्कूल पहुंचे। एकेडमिक ब्लाक का निर्माण शुरू होने की जानकारी मिलने पर सीएम योगी ने छात्रावास और स्टाफ आवास का निर्माण कार्य भी शुरू कराने के निर्देश दिए, जिससे कि अगले शैक्षणिक सत्र से छात्रों का नामांकन कर यहां पढ़ाई शुरू कराई जा सके। उन्होंने जिलाधिकारी को गुणवत्ता की जांच कराने का निर्देश देते हुए कहा कि सीमेंट, बालू व मौरंग की मात्रा व गुणवत्ता की भी जांच करें। सीमेंट कहां से आ रहा है। कौन दे रहा है। इस पर भी नजर रखने की जरूरत है। निर्माण कार्य को लेकर यह सही समय है।

इस समय जितना तेजी से कार्य होगा, उतना ही समय से पूरा होगा। यहां से गोड़धोइया नाला का निरीक्षण करने बिछिया पहुंचे मुख्यमंत्री ने नाले की तल्लीझार सफाई के साथ इसे पक्का कर दोनों तरफ सात-सात मीटर चौड़ी सड़क बनाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि कहा कि आरकेबीके मोहद्दीपुर के सामने रेलवे लाइन के बगल की जगह को तालाब के रूप में विकसित कर ऐसा बनाएं कि बच्चों के लिए यहां मनोरंजन की व्यवस्था हो जाए।

अयोध्या में राम मंदिर साल-2024 को मकर संक्रांति पर हो सकता है तैयार : चंपत राय

अयोध्या। यूपी में राम मंदिर का निर्माण का तेज गति से चल रहा है वहीं श्रद्धालुओं को भी इसके शीघ्र निर्माण होने की उम्मीद है। राम जन्मभूमि मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महासचिव चंपत राय ने शनिवार को जानकारी दी है कि मंदिर साल 2024 को मकर संक्रांति पर तैयार हो सकता है। राजधानी दिल्ली में अयोध्या पर्व कार्यक्रम के दौरान राय ने यह घोषणा की है। उन्होंने कहा, 'हालांकि, मैंने पहले कहा था कि राम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन 2023 के अंत में होगा। इसकी तारीख पर अंतिम मुहर नहीं लग पा रही है, क्योंकि सूर्य दक्षिणायन में है। इसलिए मकर संक्रांति पर मंदिर का उद्घाटन करने का हमारा लक्ष्य है, जब सूर्य उत्तरायण में प्रवेश करेगा। जिसे एक शुभ अवसर माना जाता है। तकनीकी तौर पर 14 जनवरी से पहले का दिन पिछले साल का आखिरी दिन होता है।' राय ने यह भी कहा कि वह दिन होगा, जब भगवान राम अपने वास्तविक स्थान पर विराजेंगे। निर्माण कार्य को लेकर राय ने कहा कि भगवान राम के बैठने के लिए ग्रेनाइट की 6 फीट ऊंची कुर्सी तैयार की गई है। उन्होंने कहा, 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि एक बार इस साल अगस्त में नींव और कुर्सी का काम पूरा होने पर मंदिर निर्माण शुरू हो जाएगा।' उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पत्थरों के तराशने का काम भी शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2020 में मंदिर की भूमि पूजन की थी। खबरों के अनुसार, राजघाट स्थित गांधी स्मृति एवं दर्शन के परिसर में हो रहे इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में शनिवार सुबह श्रीराम चरित मानस का अखंड पाठ शुरू हुआ। दोपहर में सांसद रमेश विधूड़ी ने अयोध्या पर प्रदर्शनी और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने अवधी व्यंजनों की सीता रसोई एवं अवधी हाट का शुभारंभ किया।

पुतिन यूक्रेन में कर सकते हैं परमाणु हथियारों का इस्तेमाल, जेलेंस्की ने पूरी दुनिया को दी चेतावनी

कीव। यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने दुनिया को चेतावनी दी है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में सामरिक परमाणु हथियारों का उपयोग करने की संभावना के लिए तैयार रहें। यह सूचना सीएनएन के जरिए दी। सीएनएन के साथ एक साक्षात्कार में जेलेंस्की ने कहा कि केवल मुझे ही नहीं पूरी दुनिया को सभी देशों को चिंतित होना होगा क्योंकि यह वास्तविक जानकारी नहीं हो सकती है, लेकिन यह सच हो सकती है। मीडिया आउटलेट ने उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया कि उन्हें रासायनिक हथियार का प्रयोग करना चाहिए, वे कर सकते हैं क्योंकि उनके लिए लोगों का जीवन कुछ भी नहीं। इसलिए। हमें सोचना चाहिए डरना नहीं चाहिए बल्कि तैयार रहना चाहिए। लेकिन यह कोई केवल यूक्रेन के लिए सवाल नहीं है, बल्कि मुझे लगता है कि पूरी दुनिया के लिए है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि अमेरिकी

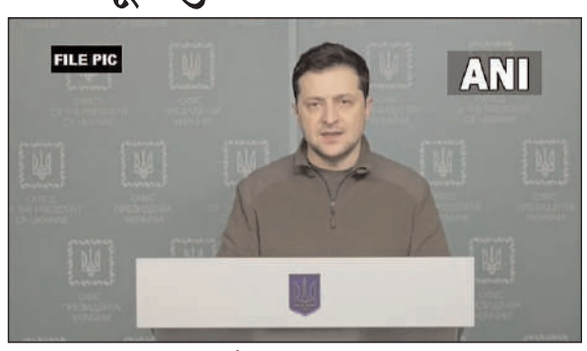

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि पुतिन यूक्रेन में सामरिक परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकते हैं। एक कोने में वे इसका समर्थन करते हैं। मीडिया आउटलेट ने सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के निदेशक बिल बर्न्स के हवाले से कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन और रूसी नेतृत्व की संभावित हताशा को देखते हुए उन्हें अब तक सैन्य रूप से जिन असफलताओं का सामना करना पड़ा है, हम में से कोई भी सामरिक परमाणु हथियारों या कम क्षमता वाले परमाणु हथियारों के संभावित खतरे को हल्के में नहीं ले सकते हैं।

इस बीच यूक्रेन द्वारा रूस के सैनिकों के नुकसान की तुलना करते हुए जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार युद्ध में लगभग 2,500 से 3,000 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं, हालांकि, रूस की हताहतों की संख्या 19,000 से 20,000 है। उन्होंने कहा कि युद्ध में लगभग 10,000 यूक्रेनी सैनिक घायल हुए हैं और यह कहना मुश्किल है कि उनमें से कितने जीवित रहेंगे।

पंजाब- मान ने निभाया वादा, 300 यूनिट मुफ्त बिजली पर शर्तें लागू की तर्ज पर होगी वसूली

चंडीगढ़। पंजाब की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार ने चुनावी वादा निभाया और राज्य के लोगों को मुफ्त बिजली देने की घोषणा कर दी है। सरकार ने शनिवार को ऐलान किया कि 1 जुलाई से 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। हालांकि, इसमें कुछ शर्तें भी शामिल हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई वाली सरकार ने 31 दिसंबर तक के कुछ बिजली बिलों को माफ करने का फैसला भी किया है।

सीएम मान ने कहा कि अगर कोई घर दो महीने में 600 यूनिट से ज्यादा बिजली का इस्तेमाल करता है, तो उन्हें पूरे बिल का भुगतान करना होगा। वहीं, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और गरीबी रेखा से नीचे परिवार और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी 600 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी, लेकिन अगर ये दो महीनों में 600 यूनिट से ज्यादा बिजली उपयोग करते हैं तो केवल अतिरिक्त बिल ही चुकाना होगा।

खास बात है कि इन परिवारों को पहले 200 यूनिट बिजली मुफ्त मिल रही थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों और कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ नहीं बढ़ाए जाएंगे और कृषि क्षेत्र के लिए भी मुफ्त बिजली जारी रहेगी। उन्होंने कहा, 'यह फैसला 80 फीसदी परिवारों के लिए फायदेमंद होगा।' मान ने दावा किया है कि पंजाब में करीब 73 लाख घरेलू उपभोक्ता हैं। इनमें से 61 लाख लोगों को फायदा होगा। सरकार ने 2 किलोवाट लोड बिजली वाले 31 दिसंबर 2021 तक के बिल माफ करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, 'लोगों को मुफ्त और सस्ती बिजली उपलब्ध कराने में ट्रांसमिशन लॉस, कोयला की कमी और कानूनी मुद्दों जैसी अड़चनें हैं। हम इन्हें दूर करने के लिए काम कर रहे हैं।'

उपचुनाव में जीत से टीएमसी के हौसले बुलंद, कल्याण बनर्जी बोले- यूपी से नहीं पं. बंगाल से तय होगी देश की राजनीति

कोलकाता। देश में संपन्न चार राज्यों के उपचुनाव के परिणामों के बाद बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के हौंसले बुलंद हैं। टीएमसी ने 2024 का रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है। टीएमसी ने कहा है कि देश की राजनीति के लिए उत्तर प्रदेश अंतिम नहीं है, बल्कि बंगाल भी देश की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करता है। उन्होंने कहा कि 2024 में पश्चिम बंगाल में टीएमसी लोकसभा की सभी 42 सीटें जीतेगी। बता दें कि पश्चिम बंगाल की एक लोकसभा और एक विधानसभा सीटों पर 12 अप्रैल को हुए उपचुनाव में टीएमसी प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा और बाबुल सुप्रियो को जीत मिली है।

टीएमसी के फायरब्रांड सांसद कल्याण बनर्जी ने आसनसोल लोकसभा उपचुनाव के नतीजों के बाद ये बातें कही। बनर्जी ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मजाक भी उड़ाया। बनर्जी ने कहा कि उपचुनाव परिणाम के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी का सिंहासन हिलना शुरू हो गया है। तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने आसनसोल में तृणमूल उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा के जीत के बहाने सीधे-सीधे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि देश की राजनीति में उत्तर प्रदेश नहीं बल्कि बंगाल की जनता अंतिम फैसला देती है। उन्होंने कहा कि आसनसोल में तृणमूल की भारी जीत के बाद 2024 के लोकसभा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सिंहासन हिलने लगा है। कल्याण बनर्जी ने भविष्यवाणी करते हुए बताया कि 2024 के

लोकसभा चुनाव में बंगाल में 42 में से 42 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस जीतेगी। कल्याण बनर्जी के अनुसार, आसनसोल की जीत राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल उम्मीदवार अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के प्रति आसनसोल वासियों का असीम प्यार है। बनर्जी के अनुसार, तृणमूल के बारे में कुछ लोगों ने बंगाल में कुप्रचार कर रखा था लेकिन उपचुनाव में उनकी पार्टी की भारी जीत में उनके गलत मंसूबे पर पानी फेर दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राष्ट्रीय राजनीति में समय-समय पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराती रहीं हैं। हाल ही में 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने यूपी में न सिर्फ अखिलेश यादव के लिए प्रचार किया बल्कि उनकी पार्टी ने गोवा में चुनाव भी लड़ा। हालांकि दोनों ही राज्यों में उनकी मौजूदगी का कुछ खास असर नहीं पड़ा, लेकिन कई मौके पर वे बीजेपी शासित राज्यों में किसी मुद्दे पर और केंद्र सरकार के फैसलों के खिलाफ अपनी बेबाक राय रखती रही हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले महीने सभी गैर बीजेपी शासित मुख्यमंत्रियों और विपक्षी पार्टियों के नेताओं को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ एकजुट होने की अपील की थी। ममता बनर्जी ने अपने पत्र में लिखा, मैं सत्ताधारी बीजेपी द्वारा देश के लोकतंत्र पर सीधे हमले पर चिंता जताने के लिए यह लिख रही हूं। उन्होंने लिखा, ईडी, सीबीआई, सीवीसी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को टारगेट और उत्पीड़ित करने के लिए किया जा रहा है।

हादसे के बाद अनिश्चितकाल के लिए सील किया गया त्रिकुट रोपवे, सीसीटीवी लगाया

देवघर। झारखंड के देवघर जिले में हुए त्रिकुट रोपवे हादसे के बाद अब उसे अनिश्चितकाल के लिए सील कर दिया गया है। जिले के मोहनपुर बीडीओ और थाना प्रभारी प्रेम प्रदीप की उपस्थिति में इसे सील किया गया है। साथ ही यहां सीसीटीवी भी लगाया गया है। जब तक रोपवे हादसे की जांच करने के लिए टीम नहीं आती है, तब तक उसे सील ही रखा जाएगा।

त्रिकुट रोपवे हादसे के बाद ही लोगों के आने-जाने पर पूरी तरह से रोक लगी हुई है। घटना के बाद से ही त्रिकुट में सन्नाटा पसरा हुआ है। पर्यटकों का आना पूरी तरह से बंद है और जांच में किसी तरह की छेड़छाड़ न हो, इसलिए रोपवे कार्यालय से लेकर पूरे रोपवे परिसर को अनिश्चितकाल के लिए सील कर दिया गया है। देवघर रोपवे हादसा बीते 10 अप्रैल को हुआ था। इसमें 63 पर्यटक रोपवे में फंसे हुए थे। भारतीय सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ और स्थानीय लोगों के द्वारा करीब तीन दिन तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला था। उसके बावजूद हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई थी। इनमें दो देवघर जिले और एक दुमका जिला का रहने वाला था। रोपवे

का संचालन करने वाली कंपनी दामोदर इंफ्रा ने मृतकों के परिजनों और आश्रितों को 25 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की है। वहीं झारखंड सरकार की ओर से भी पांच लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की गई है। हालांकि अभी तक परिजनों को किसी भी तरह का भुगतान नहीं किया गया है।

चिंतन मनन

चौथी लहर का खतरा

एक बार फिर से भारत समेत दुनियाभर में कोरोना केस बढ़ने लगे हैं। दिल्ली, गुरुग्राम और मुंबई में कोरोना के नए मरीजों के मिलने का सिलसिला बढ़ रहा है। ऐसे में एक बार फिर कोरोना की चौथी लहर का खतरा बन गया है। देश के कुल 734 जिलों में से 29 ऐसे हैं, जहां वीकली पॉजिटिविटी रेट 5 फीसदी से ज्यादा है। इन जिलों में संक्रमण अभी बेकाबू है। इनमें से 23 में हाल और खराब है। इन 23 जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से ज्यादा है, जबकि 8 जिले ऐसे हैं जहां पॉजिटिविटी रेट 20 फीसदी से ज्यादा है। पॉजिटिविटी रेट का मतलब है कि हर 100 टेस्ट होने पर कितने कोरोना मरीज मिल रहे हैं। देश में अब तक 4.30 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। देश में अब तक कुल 5.21 लाख मौतें हो चुकी हैं। एक्टिव केस की संख्या भी बढ़ कर 11 हजार से ज्यादा हो गई है। यह वाकई राहत की बात है। दो साल बाद पहली बार हम सामान्य स्थिति में आ पाए हैं। लेकिन इसका यह मतलब भी निकालना सही नहीं होगा कि महामारी चली गई है। सच तो यह है कि खतरा बरकरार है। चिंता की बात ज्यादा इसलिए भी है कि कई जिलों में हालात अभी भी गंभीर हैं। पिछले दो साल में देश महामारी की तीन लहरें देख चुका है। दूसरी लहर के दौरान भारत दुनिया के उन देशों में शामिल था, जहां संक्रमण से सबसे ज्यादा तबाही हुई। अमेरिका और ब्राजील के बाद सबसे ज्यादा लोग भारत में मरे। हालांकि तीसरी लहर में कहर इसलिए ज्यादा नहीं बरपा कि आबादी के बड़े हिस्से को टीका लग चुका था और पिछली गलतियों से सरकारों और लोगों ने सबक भी लिए। इसलिए ज्यादा मौतें नहीं हुईं। पर अब चौथी लहर की बात हो रही है। हालांकि विशेषज्ञ चौथी लहर को लेकर बहुत चिंतित नहीं हैं। भारत के ज्यादातर राज्यों में टीकाकरण का काम तेजी से चल रहा है। लेकिन अब एक मुश्किल यह है कि जिन लोगों ने एक साल पहले टीके लगवाए थे, उनका असर अब कितना रह गया होगा, कोई नहीं जानता। ऐसे में अगर प्रतिरोधक क्षमता कम पड़ने लगी तो फिर से लोग संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। यह बड़ा खतरा है। दुनिया के कुछ देशों में एक बार फिर से बिगड़ते हालात डराने वाले हैं। चीन में फिर से कोरोना संक्रमण फैल रहा है और कुछ शहरों में लॉकडाउन भी है। फ्रांस, इटली और जर्मनी में भी पिछले हफ्ते जिस तेजी से लाखों मामले अचानक आ गए, उससे लगने लगा कि कहीं पहले जैसे हालात तो नहीं बन रहे! दक्षिण कोरिया और हांगकांग में भी स्थिति विस्फोटक है। अभी भी पूरी दुनिया में संक्रमण के कुल मामलों में इकतालीस फीसद मामले एशिया से हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एशिया में एक बार फिर संक्रमण फैलने का खतरा बताया है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी अब सामान्य दिनों की तरह शुरू हो गई हैं। इसलिए खतरा कहीं ज्यादा है। केंद्र और राज्य सरकारें इस महामारी से निपटने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं, इसका प्रमाण केवल यही नहीं है कि वे लगातार आवश्यक आदेश-निर्देश जारी कर रही हैं, बल्कि यह भी है कि उन पर अमल के लिए तत्परता भी दिखा रही हैं। इसके बावजूद यदि कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है तो इसका मतलब यही है कि संकट बड़ा है। यह तो तय है कि इस संकट से पार पाने के लिए आगे और भी कदम उठाने पड़ सकते हैं। ऐसे कठिन समय में यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि सरकारों और साथ ही स्थानीय प्रशासन की ओर से जो भी सुझाव दिए जा रहे हैं, उनका पालन पूरी गंभीरता के साथ किया जाए। चूंकि संकट बड़ा है, इसलिए आम जनता को यह समझना ही होगा कि किसी भी तरह की लापरवाही के लिए कहीं कोई गुंजाइश नहीं है। यह सही समय है कि हर कोई अपनी जिम्मेदारी समझे और खुद जागरूक होने के साथ ही औरों को भी जागरूक करे। साफ-सफाई और सेहत को लेकर अतिरिक्त सतर्कता दिखाने के साथ ही संयम एवं अनुशासन का भी परिचय देने की आवश्यकता है। जब स्वास्थ्य तंत्र को समर्थ बनाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हों, तब नागरिक के तौर पर हम सबको अपनी जिम्मेदारी का परिचय देने के लिए तत्परता दिखानी चाहिए। इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि किसी से कहीं कोई गफलत न होने पाए, क्योंकि कोरोना संक्रमित एक अकेले शख्स की लापरवाही सैकड़ों लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल सकती है। यह राष्ट्रीय संकल्प बनना चाहिए कि ऐसा नहीं होने देना है और देश को उस तीसरे दौर में नहीं जाने देना है, जहां संक्रमण बेलगाम-सा हो जाता है। यदि कोरोना संक्रमण का सिलसिला बेकाबू हुआ तो यह संकट कहीं अधिक गंभीर हो सकता है और तब लोगों को और अधिक पाबंदियों के साथ मुश्किलों का सामना करना होगा। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण का सामना शासन-प्रशासन से सहयोग करके ही किया जा सकता है। संकट की इस घड़ी में हर किसी को इसके लिए भी सक्रिय होना चाहिए कि हम सबका सामाजिक व्यवहार बदले। यदि सभी लोग सतर्क रहें और साथ ही हौसला भी बनाए रखें तो इस संकट से पार पाया जा सकता है।

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है। भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

अपार पुरातत्व संपदा का धनी मध्य प्रदेश

सांची घूमना हो या घूमना हो खजुराहों, आपको आना ही पड़ेगा देश के हदय स्थल मध्यप्रदेश में। एक बड़े भूभाग में फैले मध्यप्रदेश के चारों तरफ पुरातत्व महत्व का ऐसा बिछौना है जो यहाँ की शान है। सांची और खजुराहो विश्व के मूल्यवान पुरातत्व धरोहरों में गिने जाते हैं। अकूत पुरा सम्पदा से सम्पन्न मध्यप्रदेश के झाबुआ से लेकर मंडला तक जिधर नजर घुमाएंगे,उधर आपको देखने को मिल जाएगा। मध्यप्रदेश सभी .ष्टि से सम्पन्न और विविधता वाला राज्य है। देश में यह अपनी तरह का इकलौता प्रदेश है जहाँ बने दर्शनीय स्थल पर्यटकों को अपने पास बुलाते हैं, तो मंडला से झाबुआ तक पुरातत्व की इमारतें लोगों को मोहित करती हैं।

एक ओर जहाँ पुरातात्विक धरोहर भारतीय संस्.ति दशार्ते हैं वहीं अन्य ऐतिहासिक स्थल विश्व पटल पर प्रसिद्धि पा चुके हैं। आलम यह है कि इन स्थलों की एक झलक पाने के लिये विदेशी पर्यटक चुम्बक की तरह खिंचे चले आते हैं। यहाँ बताते चलें कि विदेशी पर्यटकों के आकर्षण के प्रमुख केन्द्र बिन्दु खजुराहो के कलात्मक मंदिर तथा धार्मिक स्थल ओरछा हैं। यह हमारे लिये गौरव की बात है कि विश्व की मूल्यवान पुरातत्व धरोहरों में भारत के जो सोलह स्मारक हैं उनमें से दो साँची और खजुराहों मध्यप्रदेश में ही हैं। यह स्मारक विश्व भर में अपनी वैभवता तथा प्राचीनता के लिये जाने जाते हैं। इनके अलावा भी प्रदेश में अनेक ऐसे पुरातन स्थल मौजूद हैं जिनकी भव्यता देखते ही बनती है। कुछ तो अपना अस्तित्व ही खोने की कगार पर हैं वहीं कई स्थल सरकार की गहन निगरानी तथा देखरेख में हैं। इन स्थलों में समय- समय पर सुधार तथा मरम्मत का काम चलता रहता है। 1953 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का केन्द्र बनने और विश्व में प्रसिद्धि प्राप्त करने वाले खजुराहो के संरक्षण तथा विकास के लिये सर्वप्रथम सन् 1904 में काम शुरू हुआ था। खजुराहों के मंदिरों की खोज, जीर्णोद्वार संरक्षण आदि के लिये सन् 1927 तक काम चला था। अनेक मंदिर जो टूट- फूटकर नष्ट हो चुके थे, सैकड़ों मूर्तियाँ जमीन में दबी हुयीं बिखरी पड़ी थीं, उन्हें पुरातत्ववेत्ताओं ने व्यवस्थित कर पुनः मंदिरों के अंदर स्थापित किया। सन् 1950 दशक में चंदेल शासकों ने ही यहां भव्य मंदिरों का निर्माण कराया था। मंदिरों की कारीगरी को देखकर आभास होता है कि इस स्थापत्य कला ने जीवन तथा प्रेम का सामंजस्य बेजान पत्थरों के द्वारा लोगों को उपहारस्वरूप दिया है। किंवदंति है कि लगभग एक हजार साल पहले चंदेल के राजपूत राजाओं ने खजुराहों में लगभग 85 मंदिरों का निर्माण करवाया था। इनमें से अब केवल 22 मंदिर ही सुरक्षित हैं।

खजुराहो की ही तरह साँची पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक .ष्टि से प्रमुखता पा चुका हैं। साँची एक ऐसा प्राचीन और दार्शनिक स्थल है जिसके कारण विश्व के कई देशों

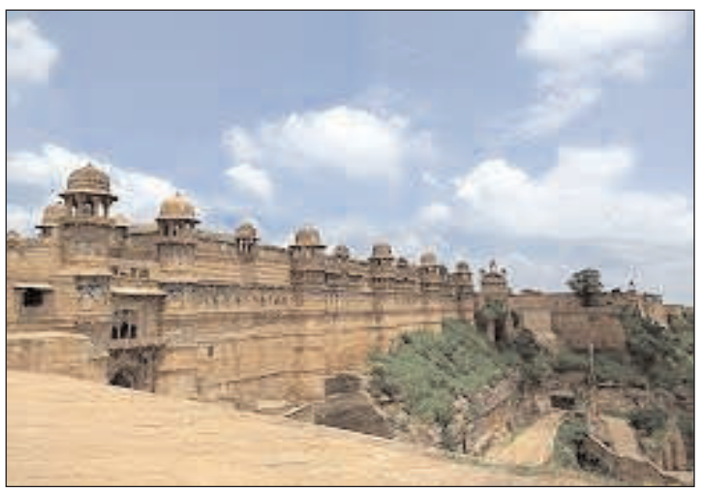

में मध्यप्रदेश को पहचान मिली और इसे देखने पर्यटक यहाँ आते रहे। साँची के बौद्ध स्तूप विशेषतः दर्शनीय हैं। पर्यटक इन्हें देखकर उत्साहित होते हैं तथा इनके चित्र यादगार के रूप में अपने साथ ले जाते हैं। साँची के बौद्ध स्तूपों की देखभाल प्रमुखता से की जाती है। प्रयास किया जाता है कि देश तथा विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। सांची दो देशों को जोड़ने वाला एक प्रमुख स्थान है। पर्यटन तथा तीर्थ स्थल ओरछा एक छोटा सा गांव हैं परन्तु उसकी ऐतिहासिक कीर्ति-किंवर्दतियों का कोई ओर-छोर नहीं है। शायद यही कारण है कि खजुराहों और साँची के बाद विदेशी पर्यटकों की पसंद ओरछा है। प्राप्त संदर्भों के अनुसार चार शताब्दियों तक यहाँ के प्रतापी राजवंश का डंका मध्य भारत में बजता रहा था। शक्ति, संपदा,कला और गरिमामय वैभवशाली स्वरूप लिये हुए यह नगर इतिहास की करवट से खंडहरों में बदल गया था लेकिन वही ओरछा आज पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ओरछा के शेष बचे महल और मंदिर अपने इतिहास, कला तथा शिल्प सौंदर्य से दर्शनों के लिये मौजूद हैं।

अपने गौरवशाली अतीत को उजागर करने वाला मध्यप्रदेश का एक अन्य जिला मंदसौर में स्थित है हिंगलाजगढ़। वहाँ का पुरातात्विक वैभव लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। हिंगलाजगढ़ में परमारकालीन शिल्प कला.तियों का अद्भुत सौंदर्यशाली खजाना बिखरा पड़ा था। यहां के अवशेषों पर कलात्मक मूर्तियों के विशाल भण्डार से यह स्पष्ट है कि कभी यह वैभवशाली नगर रहा होगा। कला का इतना विशाल खजाना शताब्दियों तक घने जंगलों के बीच छिपा रहा और सन् 1978 में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के प्रयासों से इन्हें खोज निकाला गया। तभी से इन्हें संरक्षित तथा सुरक्षित रखा गया है। शिवपुरी जिले के पिपरोदा गांव में 9 वीं शती ई.में प्रतिहार कला में बनाये गये विष्णु देव और शिव मंदिर को संरक्षित कर उनके रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। यहाँ समूह में निर्मित विष्णु एवं शिव मंदिरों को सूक्ष्म .ष्टि से देखने पर ज्ञात होता है कि पूर्व में भी मानव एक दूसरे के धर्मो के समावेश में विश्वास रखते थे। मध्यप्रदेश की विशाल और बहुमूल्य पुरा सम्पदा की देखरेख तथा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है। हालांकि बहुमूल्य प्राचीन मूर्तियों को तस्करी के जरिये बाहर भेजने और मालामाल होने का कारोबार खूब फलने-फूलने की सूचना आती रही है तो राज्य शासन की सजगता से तस्कर अपने इरादों में कामयाब नहीं हो पाते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में बनी तथा भारतीयों द्वारा अब तक न देखी गयप सैकड़ों मूर्तियाँ सदा- सदा के लिये हमारे देश से चली जावेगी। देश के अलग-अलग हिस्सों से हर साल कितनी प्राचीन कला.तियां चोरी होती हैं इसका अनुमान लगाना सहज नहीं। लेकिन सर्तकता के कारण मध्यप्रदेश में ऐसी घटनाएं यदा-कदा ही होती हैं जो संतोष की बात है। यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश में अपार पुरातत्व संपदा है। स्मरण रहे कि मध्यप्रदेश की स्थापना के समय पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की पुरातत्वीय धरोहारों के संरक्षण के लिये सिर्फ छह संग्रहालय ही मिले थे। आज इनकी संख्या बढकर तीन गुना से भी ज्यादा है। इस दिशा में प्रयास लगातार जारी हैं। मध्यप्रदेश अपनी पुरा सम्पदा के लिए अलग ख्याति रखता है। अपनी इसी तरह की अलग विशेषताओं के कारण मध्यप्रदेश को देश का हृदय प्रदेश कहा जाता हैं।

शौक ही नहीं, लुत्फ के लिए भी है रुड़की का कब्रिस्तान!

कब्रों के बीच बैठ कर चाय पीने का लुत्फ भी उठाते है लोग, गुजरात के अहमदाबाद में द न्यू लकी रेस्टूरेंट ऐसा ही एक रेस्टूरेंट है जो कब्रों के बीच बना हुआ है।यहां लोग दूर-दूर से चाय की चुस्की का आनंद उठाने आते हैं। लगभग पांच दशक पुराने इस रेस्टूरेंट में शुरूआत के समय सिर्फ चाय मिलती थी।लोग कब्रों के आस-पास बैठकर आराम से चाय पी लिया करते थे। समय ने करवट ली और यह चाय की छोटी सी दुकान अहमदाबाद का प्रसिद्ध द न्यू लकी रेस्टूरेंट बन गया है। इस रेस्टूरेंट के आसपास कुल 26 कब्रें हैं, जिनका ख्याल रेस्टूरेंट स्टाफ खुद रखता हैं। मशहूर पेंटर एमएफ हुसैन भी इस रेस्टूरेंट के मुरीद हुआ करते थे और अक्सर यहां चाय पीने आया करते थे। उन्हें यह जगह इतनी पसंद थी कि यहां बैठकर उन्होंने कई पेंटिंग्स भी बनाईं, जिनमें से कुछ पेंटिंग्स उन्होंने रेस्टूरेंट को बतौर तोहफे में दी। इसी श्रंखला में मसूरी का कैमल्स बैक कब्रिस्तान अपनी प्राकृतिक सुन्दरता के लिए जाना जाता है। अनेक अंग्रेज व्यवसायी व अधिकारी इस कब्रिस्तान में दफन हैं।जिनमे जॉन मैकिनान का नाम नाम सबसे आगे है। मैकिनॉन आयरलैण्ड में 12 जनवरी सन् 1806 को पैदा हुए थे और लगभग 23 वर्ष की आयु में मसूरी आ गए थे। मसूरी के आधुनिक स्वरूप में उनका अहम योगदान है। उन्हें सब लोग मक्खन साहब कहते थे। 29 जून सन 1970 को उनकी मृत्यु हो गई।उनकी समाधि इसी कब्रिस्तान में आकर्षण का केंद्र है। बंगाल आर्मी इंजीनियरिंग ग्रुप के लैटिनेंट कर्नल एच.फिशर मसूरी में निवास करते थे। 12 अगस्त सन1859 में उनके देहान्त के बाद उन्हें कैमल्स बैक कब्रिस्तान में दफन किया गया था। प्रेम के प्रतीक इस कब्रिस्तान में इस स्थान की खासियत है कि नीचे जमीन से ऊपर पहाड़ी को देखने से ऊंट की आकृति नजर आती है। इसीलिए इस स्थान को केमल्स बैक रोड कब्रिस्तान भी कहते हैं।

इंजीनियर नगरी रुड़की में अंग्रेजों का कब्रिस्तान जो सन 1860 में बना था, को राष्ट्रीय स्मारक के रूप में चुना गया जिसका 1920 में नोटिफिकेशन हुआ।जिसके बाद इसे राष्ट्रीय संरक्षित स्मारक का दर्जा दिया गया है। प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्व अवशेष अधिनियम 2010 तक के तहत संरक्षित क्षेत्र की सभी दिशाओं से 200 मीटर की दूरी पर बिना अनुमति के कोई निर्माण कार्य नहीं हो सकता है।केवल सन 1992 से पूर्व निर्मित भवनों की ही मरम्मत आदि का प्रावधान है। अगर आपको कब्रिस्तान की शानाओशोकत देखनी है तो एक बार रुड़की के कब्रिस्तान में जरूर आइए। यहां आपको कई ऐसे स्मारक मिलेंगे, जिन्हें देखकर आपका मन खुश होगा। यहां आने पर कतई महसूस नहीं होता कि हम कब्रिस्तान में हैं, क्योंकि यह कब्रिस्तान पार्क जैसा ही नजर आता है। रुड़की शहर में गंग नहर के किनारे बने इस कब्रिस्तान क्षेत्र में एक हजार से अधिक छोटी बड़ी कब्र हैं। इनमें से कुछ कब्र ऐसी है जो दफन दिवंगतों के कारण आज भी भूलाए नहीं भूलती।यहां दफन कब्रो में एक कब्र एक अंग्रेज ब्रिगेडियर की बेटी मोना की है ,जिसकी अल्पायु में 23 अप्रैल, 1919 में मृत्यु हो गई थी। उसकी कब्र को स्मारक के रूप में संजोया गया है। इसी तरह फ्लोरेंस मैरी, जिनकी मौत 18 दिसंबर,सन 1907 को मात्र 16 साल की उम्र में हो गई थी। इस स्मारक को देखते ही आंखें नम हो जाती हैं। इनमे कई कब्रों को स्मारक का रूप दिया गया है।

इस कब्रिस्तान में उन ब्रिटिश अधिकारियों की भी कब्र हैं, जिनकी अंग्रेजी हूकुमत में तूती बोलती थी। इसमें से एक कब्र ब्रिगेडियर रॉयल इंजीनियर्स जेआर चिस्टनी की है, जो मात्र 36 साल की उम्र में ही दुनिया को अलविदा कर गए थे। इसी तरह लेफ्टिनेंट जनरल सर हेराल्ड विलियम, जो कि रॉयल इंजीनियर्स में रहते हुए दुनिया को छोड़ कर चले गए थे। उनकी कब्र को भव्य स्मारक का रुप दिया गया है और ये कब्रिस्तान का आकर्षण भी है।अंग्रेजों के समय महत्वपूर्ण छावनी रही उत्तर प्रदेश के मेरठ में आज भी उस वक्त के निशान मौजूद हैं। विद्रोहियों का गढ़ रहा काली पलटन मंदिर और यहां का कब्रिस्ता जिसमें अंग्रेजों की कब्रें हैं।आजादी के पूर्व के इतिहास की साक्षी है। मेरठ में अंग्रेजों की कब्रों वाले दो कब्रि?स्तान हैं। ये हैं सेंट जोंस और पुराना कब्रिस्तान।जिनका ऐतिहासिक महत्व है।

सेंट जोंस कब्रिस्तान मेरठ का एक पवित्र कब्रगाह माना जाता है। इसी कारण यहां काफी समय से दूरदराज से मृतकों को लाकर दफनाया जाता रहा है। यहां स्थित सबसे पुरानी कब्र सन 1810 की है। यह कब्रिस्तान आज भी प्रयोग में है। यहां पर आम नागरिकों के अलावा फौजी सिपाहियों तथा अफसरों की भी कब्रें भी मौजूद हैं।यहां 10 मई 1857 की क्रांति में मारे गए लोगों में से नौ लोगो की कब्रें आज भी देखी जा सकती हैं। इसके अलावा यहां कई सुंदर कलाकृतियां तथा शिलालेख भी मौजूद हैं,जो बीते जमाने के इतिहास को दशार्ते हैं। इसके अलावा एक और पुराना कब्रिस्तान है, जिसमें अंग्रेजों की कब्रें बनी हुई हैं। यह मेरठ का सबसे पुराना कब्रिस्तान है। यहां की कब्रों में से दो पर शिलालेख लगे हैं, जो सन् 1808 तथा 1810 ई. में स्थापित किए गए हैं।

यह कब्रिस्तान 23 एकड़ क्षेत्र फल में फैला हुआ है। कुछ इसाई परिवार और संगठन इस कब्रिस्तान की देखरेख करते हैं। पहले यहां इसाइयों की संख्या काफी थी, तब इसके रखरखाव में कोई परेशानी नहीं आती थी। सभी पैसा जमा करते थे, पर अब हालात बदल गए हैं। यहां के बहुत से इसाई परिवार नौकरी की तलाश में मेरठ छोड़कर बाहर शिफ्ट हो गए। लिहाजा रखरखाव के लिएअब पैसे की किल्लत होती है।अंग्रेजों के वंशज आज भी अपने पूर्वजों की कब्रें देखने आते हैं। सात समंदर पार करके आने वाले अंग्रेजों के लिए मेरठ व रुड़की का कब्रिस्तान खास महत्व रखते है।क्योंकि अंग्रेजी हुकूमत के समय के महान इंजीनियर और वास्तुविद अपने हुनर का प्रदर्शन करने के बाद दुनिया से रुख्सत हुए थे। इनमें से अधिकांश की कब्रगाहें रुड़की या फिर मेरठ के कब्रिस्तान में आज भी उनके नाम की गवाही दे रही है।बेहतरीन नक्काशी, कलाकारी और डिजाइनिंग के लिए जाने जानी वाली इन कब्रगाहों पर खोदे गए गॉड का समर्पित स्लोगन हर किसी को आकर्षित करता हैं। इसी के चलते ये कब्रिस्तान देश के राष्ट्रीय स्मारकों में शुमार हो गए है।कुछ वर्ष पहले इंग्लैंड की शीला सैडविक आईआईटी रुड़की पहुंची थीं।तत्कालीन संस्थान निदेशक प्रो. प्रदीप्त बनर्जी से सैडविक ने अपने ग्रैंड फादर फ्रैडरिक विलियम्स सैडविक के बारे में पूछा था। फैडरिक विलियम्स रुड़की थॉमसन इंजीनियरिंग कालेज में इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट के प्रोफेसर थे। सन 1920 में उनकी मृत्यु हुई। जिनकी कब्र इस अंग्रेजों के कब्रिस्तान में मौजूद है। शीला सैडविक ने वहां पहुंचकर ग्रैंड फादर की कब्र को देखा तो रो पड़ी। वही अंग्रेजों ने जयपुर में मॉजी का बाग महल को निवास बनाकर ईसाई परंपरा के मुताबिक रेजीडेंसी परिसर में कब्रिस्तान बनवाया था। इसमें सबसे पहले 4 जून 1835 को अंग्रेज अधिकारी मार्टिन ब्लैक के शव को दफनाया गया ।

सन 6 फरवरी 1835 को सिटी पैलेस के महल में महाराजा जयसिंह तृतीय की हत्या के बाद बेटे रामसिंह को गद्दी पर बिठाया गया। इस पर राजमाता चंद्रावत को सांत्वना देने कर्नल आल्विस दो सहायकों मार्टिन ब्लैक व मैकनेटन के साथ सिटी पैलेस आए थे। तीनों जब महल से बाहर निकले तो जयसिंह तृतीय की हत्या में शामिल षड्यंत्रकारियों ने यह अफवाह फैला दी कि सिटी पैलेस में आए तीनों अंग्रेजों ने महाराजा रामसिंह की हत्या कर दी है। इस पर एक सैनिक ने आल्विस पर तलवार से प्रहार किया। घटना में घायल आल्विस व मैकनेटन तो पालकी में बैठ रेजीडेंसी चले गए। पीछे रहा मॉर्टिन ब्लैक हाथी पर सवार हो किशनपोल बाजार आया तो वहां खड़े आक्रोशित लोगों ने उस पर पत्थरों की बौछार कर दी। महावत ने हाथी को दौड़ाया भी, लेकिन अजमेरी गेट के मुख्य प्रहरी हिदायतुल्ला ने दरवाजा बंद कर दिया। जान बचाने के लिए ब्लैक हर्ष बिहारी मंदिर की तरफ जाने लगा, तब लोग उसे घसीट कर सड़क पर ले आए और उसकी निर्मम हत्या कर दी। हमले में ब्लैक का छड़ीबरदार, महावत व चपरासी भी मारे गए। घटना स्थल पर पहुंचे सामोद के रावल बैरिसाल सिंह ने ब्लैक की हत्या के आरोप में पांच लोगों को मंदिर के बाहर सरेआम फांसी पर चढ़ा दिया था। मौत की सजा सुनने के बाद झूथाराम ने दौसा किले व हुकम चंद ने जयपुर जेल में दम तोड़ दिया था। मार्टिन ब्लैक के बाद 29 सितंबर 1846 को सर्जन जोसफ हैलिस व कर्नल जेसी ब्रुक की पत्नी ऐमा ब्रुक को रेजीडेंसी कब्रिस्तान में दफनाया गया। 4 फरवरी 1862 को अंग्रेज हेमलटन की पत्नी एलाइस की पुत्री एवं 9 महीने की लड़की चारलॉट कैथरिन की कब्र जयपुर के कब्रिस्तान में बनाई गई।

जीवनपर्यन्त स्वयं को शिक्षक समझते रहे डॉ. राधाकृष्णन

आज भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति, द्वितीय राष्ट्रपति, महान शिक्षाविद , उच्चकोटि के दार्शनिक भारत रत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पुण्यतिथि है। आज भी भारत का बौद्धिक वर्ग राधाकृष्णन को सदाशयता से स्मरण करता है। वैसे राधाकृष्णन शास्त्रीय अर्थों में कोई राजनीतिक और सामाजिक विचारक नहीं थे वह मूलतः उच्चोकोटि दार्शनिक और भारतीय धर्मशास्त्र के गम्भीर जानकार थे। परन्तु उनके राजनीतिक और सामाजिक विचार उनकी पुस्तकों रिलीजन एण्ड

17 अप्रैल 1975 पुण्य तिथि

सोसाइटी, एजूकेशन पोलिटिक्स एण्ड वार, कल्की एण्ड द फ्यूचर ऑफ सिविलाइजेशन, इण्डिया एण्ड चाइना, और इज दिस पीस में पर्याप्त रूप से पढने समझने को मिल जाते हैं। तमाम उच्च पदो को सुशोभित करने बाद भी वह एक शिक्षक को सर्वश्रेष्ठ तथा सर्वोपरि मानते थे। इसलिए वह स्वयं को जीवनपर्यन्त एक शिक्षक के रूप में मानते रहे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत की दार्शनिक परम्परा, भारतीय जीवन दर्शन और भारतीय चिंतन परम्परा के विलक्षण व्याख्याकार थे। उनके अनुसार भारतीय जीवन दर्शन में महान कर्मयोगियो और सृजनात्मक व्यक्तित्वो को पैदा करने की अद्भुत शक्ति हैं। राधाकृष्णन मनुष्य में निहित अंतःप्रज्ञा को समस्त मानसिक शक्तियों से ऊंची शक्ति मानते थे। उनके अनुसार दार्शनिक, साहित्यकार, कलाकार, रहस्यवादी और वैज्ञानिक भी अपने चिंतन के विकास तथा अपनी कल्पनाओं और परिकल्पनाओं में इसका सहारा लेते हैं। चिंतन, विचार और सिद्धांत को परिपक्वता तथा श्रेष्ठतम स्वरूप प्रदान करने मे अंतःप्रज्ञा की महती भूमिका होती हैं।

डॉ राधाकृष्णन भी रबिन्द्र नाथ टैगोर की तरह मानते थे कि-जो सभ्यता शाश्वत, नैतिक और मानवीय

मूल्यों पर खडी होती हैं वह दीर्घकालिक, अविरल और उत्तरोत्तर प्रगतिगामी होती हैं। इसके विपरीत जो सभ्यता महज भौतिक उपलब्धियों और वैज्ञानिक चमत्कारों पर टिकी होती हैं वह अल्पकालिक होती हैं। इसलिए एक श्रेष्ठ और प्रगतिगामी सभ्यता में वैज्ञानिक चमत्कारों तथा भौतिक उपलब्धियों के साथ-साथ शाश्वत नैतिक तथा मानवीय मूल्यों का समन्वय आवश्यक है। भारतीय सभ्यता-संस्कृति की अखंडता अविरलता और अक्षुणता का कारण यही समन्वय हैं। विश्व की दर्जनों सभ्यताएं काल-कवलित हो गई। इन सभ्यताओ के पतन का कारण शाश्वत नैतिक मानवीय मूल्यों का अभाव रहा है। वैज्ञानिक चमत्कारों तथा भौतिक उपलब्धियों ने शासकों के मन को विजेता के भाव भर दिया, नस्लवादी दम्भ से दम्भित कर दिया। विजेता होने का अहंकार लेकर पाश्चात्य सभ्यता के शासक दुनिया का दमन करने के लिए निकल पड़े। इसकी स्वाभाविक परिणति अंततः पतन में हूई। इसलिए एक श्रेष्ठ और आदर्श सभ्यता के लिए सार्वभौमिक दृष्टिकोण का होना आवश्यक है। राधाकृष्णन के अनुसार एक आदर्श सभ्यता के लिए जाति केन्द्रित देशभक्ति की जगह सार्वभौम दृष्टिकोण अपनाना होगा। उसी तरह जैसे आधुनिक पाश्चात्य जगत ने टॉलमी के भूकेन्द्रित सिद्धांत का परित्याग कर कोपरनिकस के सूर्यकेन्द्रिक सिद्धांत को स्वीकार कर लिया। कोपरनिकस के सूर्यकेन्द्रिक सिद्धांत को स्वीकार करने के उपरांत सम्पूर्ण यूरोप कूपमंडूकता से बाहर निकल आया तो तरक्की की राह पर सरपट दौड़ पडा।

भारत जैसे बहुधार्मीक देश में राधाकृष्णन सर्वधर्म समभाव के विचार के प्रतिपादक थे। उनका जीवन के प्रति दृष्टिकोण विशुद्ध रूप से धार्मिक था। राधाकृष्णन के अनुसार आधुनिक मानव जीवन अनगिनत चुनौतियों जटिल और संकटपूर्ण परिस्थितियों से उलझा हुआ है। मनुष्य विविध प्रकार की मानसिक चिंताओं, द्वन्द्वो , मनसंतापो और भयंकर असुरक्षा का शिकार हैं। धर्म शोक संतप्त और विक्षुब्ध जीवन बार-बार संतुलन स्थापित करने का शक्तिशाली औजार है। धर्म का वास्तविक अर्थ सत्य की निरंतर साधना करना और विद्यमान सभी पदार्थों में एकता का दर्शन करना है। डॉ राधाकृष्णन धर्म को यांत्रिक पूजा-पाठ, पाखंड, पारम्परिक रूप से प्रचलित कर्मकांड तथा पुरोहितों के वितंडाबाद से परे मानते थे। उनकी दृष्टि में धर्म एक अत्यंत गंभीर और वैयक्तिक वस्तु हैं। सच्ची धार्मिक अनुभूतियॉ स्वभावतः समन्वयात्मक होती हैं। राधाकृष्णन के इस विचार को हृदयंगम कर लिया जाए तो भारत में धर्म को लेकर आपसी तनाव स्वयं समाप्त हो जाए। महान शिक्षाविद और विलक्षण दार्शनिक एवं शिक्षा जगत के शलाका पुरूष को उनकी पुण्यतिथि पर शत-शत नमन करता हूँ।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता
बापू स्मारक इंटर कॉलेज दरगाह मऊ।

पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल विशेष

इस सौरमंडल में सिर्फ धरती पर ही जीवन है। इस पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों की वजह से ही हम इंसानों और असंख्य दूसरे जीव-जंतुओं का अस्तित्व है। लेकिन विडंबना है कि यह जानते हुए भी हम सब इसके संसाधनों का दोहन करने, इसे उजाड़ने और प्रदूषित करने में लगे हुए हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम सभी अपनी धरती को सुरक्षित और हरा-भरा बनाए रखने के लिए यथाशीघ्र हर संभव प्रयास में जुट जाएं।

हरी-भरी-सुरक्षित रहे हमारी धरती

आदर, स्नेह, प्रेम और समय रूपी पूंजी के निवेश से हम किसी भी संबंध को प्रगाढ़ बना सकते हैं। इसी से जीवन में खुशी और शांति आती है। धरती के अस्तित्व के लिए भी यहां रहने वाले मनुष्यों, पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों, नदी-तालाबों के बीच सौहार्दपूर्ण सहवास और संतुलन आवश्यक हैं। लेकिन विडंबना यह है कि प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और बढ़ते बहुस्तरीय प्रदूषण से धरती का यह संतुलन बिगड़ रहा है। ऐसे में समाज के सभी वर्गों और विभिन्न देशों की सरकारों का कर्तव्य बनता है कि वे मिलकर अपनी धरा की रक्षा करें, उसे संपन्न बनाएं।

असंतुलन से बढ़ती आपदाएं

प्रकृति पांच तत्वों से बनी है-आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी। इन्हीं पांच तत्वों से मानव शरीर भी बना है। इनमें से किसी भी तत्व के बीच असंतुलन, समस्याएं उत्पन्न करता है। इन पांच तत्वों में से ही एक, पृथ्वी हमें अन्न, खनिज संपदा, हरे-भरे वन, तालाब, नदियां, जीव-जंतु, जैव विविधता से लेकर काफी कुछ प्रदान करती है। लेकिन हमारी बढ़ती लालसा धरती की संपदा का असंवेदनशीलता के साथ इस्तेमाल कर उसे खोखला कर रही है। विगत कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि कैसे दुनिया के अलग-अलग देशों के जंगलों में आग लगने, अचानक बाढ़, तूफान आने की आवृत्ति बढ़ गई है। ध्रुवीय बर्फ पिघल रही है। तापमान साल-दर-साल बढ़ रहा है। विश्व भर में जल संकट को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। इन सबके लिए जलवायु परिवर्तन और मानव निर्मित आपदाएं ही जिम्मेदार हैं, जो धरती पर यह असंतुलन पैदा कर रही हैं।

भरपूर वृक्षारोपण है आवश्यक

हाल के सालों में धरती पर प्राकृतिक आपदाओं का रौद्र रूप अकसर देखने को मिलने लगा है। इसके पीछे के कारणों को खोजने पर स्पष्ट होता है कि दरअसल, हमारी आवश्यकताएं नियंत्रण से बाहर हो गई हैं। विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, जंगलों की कटाई, शहरीकरण-औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। नदियों को बांधकर, पहाड़ तोड़कर और पेड़ों को काटकर सड़कें बनाई जा रही हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार घने जंगल लगातार घट रहे हैं। इससे भूजल स्तर भी प्रभावित हो रहा है। ऐसे में वैज्ञानिक कहते हैं कि दुनिया को शीतल रखने के लिए जंगल उगाना एकमात्र उपाय है।

वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को दें प्रोत्साहन

जंगलों के उजड़ने, प्रदूषण और हानिकारक गैसों से ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। यह ग्लोबल वार्मिंग का ही परिणाम है कि धरती तप रही है और मौसम को लेकर इतनी अनिश्चितता पैदा हो गई है। मार्च-अप्रैल के महीने में ही हम सूरज की तपिश को महसूस कर रहे हैं। गर्मी के कई रिकॉर्ड टूट रहे हैं। ग्रामीण इलाकों की तुलना में बड़े शहरों में गर्मी बहुत ज्यादा रहती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अर्बन हीट आइलैंड बनने के कारण ऐसा हो रहा है। दरअसल, शहर में होने वाले निर्माण कार्य, गाड़ियों का प्रदूषण, एसी-फ्रिज में यूज होने वाली ग्रीन हाउस गैसें वातावरण में उत्सर्जित होती हैं। सूर्य की किरणें इन गैसों की परत से परावर्तित होकर पृथ्वी पर लौटने लगती हैं, जिससे धरती के तापमान में गिरावट नहीं आती है। गर्मियों में एसी-कूलर का प्रयोग बढ़ जाता है। इससे ऊर्जा की खपत भी बढ़ती है और पर्यावरण पर अनावश्यक दबाव पड़ रहा है। सोलर एनर्जी के विशेषज्ञ अजय चांडक की मानें, तो किसी भी देश की संपन्नता में उसके ऊर्जा के साधनों की अहम भूमिका होती है। भारत में बिजली उत्पादन का लगभग 70 फीसद हिस्सा कोयले से चलने वाले ऊर्जा संयंत्रों से पैदा होता है। कोयले के प्राकृतिक भंडार सीमित हैं। अनुमान यह भी है कि आज से करीब सौ-डेढ़ सौ वर्ष के भीतर कोयला खत्म हो जाएगा। ऐसे में कोयले पर निर्भरता कम करने के लिए ग्रीन एनर्जी पर ध्यान देना होगा। जैसे-सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा, जल ऊर्जा आदि। कोयले-पेट्रोल की खपत कम करने के लिए निजी गाड़ियों में सफर को प्राथमिकता देने की बजाय पब्लिक ट्रांसपोर्ट, बैट्री व्हीकल का प्रयोग बढ़ाना होगा।

जलाशयों को करें पुनर्जीवित

यह सर्वविदित है कि धरती के करीब 70 फीसदी हिस्से में जल है। बावजूद इसके दुनिया बड़े जल संकट की ओर बढ़ रही है। देश-दुनिया में हजारों छोटी नदियां, तालाब, कुएं सूख चुके हैं या अतिक्रमण के कारण लुप्त हो चुके हैं। भूजल का स्तर दिनों दिन गिरता जा रहा है। तालाबों को पुनर्जीवित करने में जुटे राजधानी दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के रामवीर तंवर कहते हैं, 'अतिक्रमण एवं उपेक्षा के कारण जलस्रोत सूख रहे हैं। यह पृथ्वी की हरियाली और हम इंसानों के अस्तित्व के सामने बड़ा संकट बनकर उभर रहा है।' रामवीर और उनकी टीम ने विगत वर्षों में दिल्ली-एनसीआर के अलावा हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 40 से अधिक तालाबों को पुनर्जीवित किया है।

धरा हमारी मां की तरह है। वो हमारी जरूरत के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराती है। लेकिन यह बेहद खेदजनक है कि हम अपनी मां को ही उपेक्षित कर रहे हैं, उसकी दुर्दशा पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। आइए, इस पृथ्वी दिवस पर हम सब अपनी धरती मां को सुरक्षित और पूरी तरह हरा-भरा बनाने का संकल्प करें। *

मां महामाया का दिव्य धाम रतनपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के रतनपुर में स्थित है मां महामाया का दिव्य धाम। ये अलौकिक मंदिर देवी के 51 शक्ति पीठ में से एक है। मान्यता के मुताबिक यहां देवी सती का दाहिना स्कंध यानि कंधा गिरा था। रतनपुर में स्थित ये दिव्य महामाया मंदिर करीब एक हजार साल पुराना है। इसका निर्माण कलचुरी राजा रत्नदेव प्रथम ने 11वीं शताब्दी में करवाया था। गर्भगृह में मां महालक्ष्मी और महासरस्वती के रूप के दर्शन होते हैं। भगवान शिव ने स्वयं आविर्भूत होकर इसे कौमारी शक्ति पीठ का नाम दिया था। ऐसा माना जाता है कि मां के दर्शन से कुंवारी कन्याओं को सौभाग्य की प्राप्ति होती है। मां के दरबार में जो भी अर्जी लेकर आता है, मां उसे पूरा जरूर सुनती हैं। मंदिर में प्रातःकाल से देर रात तक भक्तों की भीड़ लगी रहती है। खासतौर पर दोनों ही नवरात्रों में यहां खास आयोजन होते हैं। माना जाता है कि नवरात्र में यहां की गई पूजा निष्फल नहीं जाती है।

सबसे ज्यादा ज्योतिकलश

नवरात्र में माता महामाई के दर्शन करने के साथ ही ज्योतिकलश के भी अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। दावा है कि दोनों ही नवरात्र के दौरान महामाया मंदिर में सबसे ज्यादा ज्योतिकलश प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। यहां देश और विदेश से भक्त विशेष तौर पर ज्योतिकलश स्थापित करवाते हैं। साथ ही मंदिर में साल 1986 से एक अखंड ज्योत भी जल रही है।

स्त्री रूप में विराजमान हनुमानजी

रतनपुर स्थित गिरिजाबंध का हनुमान मंदिर बेहद खास है। यहां हनुमान जी की स्त्री रूप में पूजा होती है। और हनुमानजी की ये अनोखी प्रतिमा महामाया मंदिर से सटे महामाया कुंड से मिली थी। गिरिजाबंध मंदिर महामाया मंदिर से करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित है। इस मंदिर का निर्माण रतनपुर के राजा पृथ्वी देवजू ने करवाया था।

जलमग्न है जलेश्वर महादेव

मंदिर प्रांगण में ही महामाया कुंड के एक छोर पर जलेश्वर महादेव के दर्शन भी होते हैं। जो सदैव कुंड के जल में डूबे रहते हैं इसलिए इनका नाम जलेश्वर महादेव पड़ा। वहीं कुंड के दूसरी ओर विराजे हैं नीलकंठ महादेव। स्थानीय बोलचाल में इसे कंठीदेवल महादेव कहा जाता है। अष्टकोणीय आकार का ये मंदिर हिंदू और मुस्लिम शैली की वास्तुकला का मिश्रण है।

ठहरने के अच्छे इंतजाम

रतनपुर के पास स्थित खूंटाघाट में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित विश्राम गृह है, रतनपुर में शासकीय विश्राम गृह और महामाया मंदिर ट्रस्ट की ओर से एक सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला भी उपलब्ध है। वहीं बिलासपुर शहर में भी विश्राम गृह के साथ ही कई होटल उपलब्ध हैं।

पहले करें काल भैरव के दर्शन

रतनपुर के प्रवेश द्वार पर सिद्ध तंत्र पीठ भगवान काल भैरव नाथ का विशाल और ऐतिहासिक मंदिर है। मां महामाया के दरबार में आने से पहले काल भैरव के दर्शन करने होते हैं। यहां गर्भगृह में काल भैरव की 12 फीट की विशाल प्रतिमा स्थापित है। नगर कोतवाल काल भैरव को भगवान शिव का रुद्र अवतार माना गया है। यही वजह है कि यहां भैरवनाथ की प्रतिमा का श्रृंगार भगवान शिव के रूप में किया जाता है।

राजा रत्नदेव ने बनवाया मंदिर

मान्यता है कि 11वीं सदी में कलचुरी राजा रत्नदेव प्रथम शिकार के वक्त मणिपुर गांव में रात्रि विश्राम के लिए रुके थे। अर्धरात्रि में जब राजा की आंख खुली तब उन्होंने वट वृक्ष के नीचे आदिशक्ति मां महामाया देवी की सभा लगी हुई है। सुबह होने पर वे अपनी राजधानी तुम्मान खोल लौट गए और मणिपुर का नाम रतनपुर कर इसे अपनी राजधानी बनाने का निर्णय लिया और महामाया देवी का भव्य मंदिर बनवाया।

ऐसे पहुंचे रतनपुर रतनपुर से रायपुर की दूरी करीब 141 किलोमीटर है जहां हवाई और सड़क मार्ग के जरिए पहुंचा जा सकता है। नजदीकी रेलवे स्टेशन बिलासपुर जंक्शन है जो मुंबई-हावड़ा मुख्य मार्ग पर स्थित है। पर्यटन स्थल के बारे में अधिक जानकारी, पैकेज टूर और रिसॉर्ट बुकिंग के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की वेबसाइट देखें या कॉल सेंटर पर संपर्क कर सकते हैं।

कैसे कह दूं चला गया कोई

उम्र अपनी बढ़ा गया कोई
नाम लेते ही आ गया कोई

मैंने थामा था हाथ कांटों में
फूल पाकर छुड़ा गया कोई

उस के सारे निशान जिंदा हैं
कैसे कह दूं चला गया कोई

इक तने पर लिखे थे बरसों से
नाम दोनों मिटा गया कोई

नींद यूं ही नहीं हुई गायब
तेरे किस्से सुना गया कोई

सिर्फ इक बात मैंने पूछी थी
बातें क्या-क्या सुना गया कोई

जिक्र जब भी वफा का आया है
सिर झुका कर चला गया कोई

कोई फेरा नहीं लिया लेकिन
मांग खूं से सजा गया कोई

जिंदगी के सफर में कभी अचानक कोई ऐसा मिल जाता है कि दिल में हलचल पैदा हो जाती है, एक ख्वाहिश उठती है कि काश, वह उम्र भर के लिए हमारा हमसफर बन जाए। कुछ ऐसी ही रोमानी ख्वाहिश उसके दिल में तब जगी, जब एक लड़की उसे अपने शहर जाते समय बस में मिली। लेकिन उसकी यह ख्वाहिश उस सुहाने ख्वाब की तरह थी, जो दिखा और आंख खुलने पर गायब हो गया।

कहीं ये वो तो नहीं!

कहानी

बस में चढ़ते ही उसकी नजर मेरे बगल वाली खाली सीट पर पड़ी। बिना मुझसे कुछ पूछे वो सीट पर बैठ गई। चूंकि सचमुच वो सीट खाली थी, इसलिए मेरा ऐतराज करने का कोई सवाल ही नहीं था। बिना मेकअप का सफेद सपाट चेहरा, बिना काजल के सूनी-सूनी आंखें, बिना हेयर बैंड, हेयर पिन के बेतरतीब बाल हवाओं से अठखेलियां कर रहे थे। आधे घंटे बाद वो झपकी लेने लगी, फिर सोने लगी। कभी अगली सीट से सर टिकाती तो कभी अपनी सीट से सर टिकाती। फिर झटका लगने के बाद वो मखमूर (उनींदी) आंखें खोलती, फिर बंद कर लेती। मैंने दो बातें नोटिस कीं। एक तो यह कि वो किसी जेहनी कश्मकश की शिकार थी और किसी दुखद परिस्थिति से दो-चार थी, दूसरी यह कि उसे दूर तक जाना था शायद बस के अंतिम पड़ाव तक।

फिर उसका सर मेरे कंधे पर आ टिका। मुझे भला क्या ऐतराज हो सकता था। अंधे को क्या चाहिए, दो आंखें। मैं चुपचाप उसके सर को अपने कंधे का गर्म तकिया उपलब्ध कराए रहा। जागते हुए उसने मेरी तरफ एक बार भी नहीं देखा था और अब तो वो सो रही थी। पता नहीं किन ख्वाबों में सफर कर रही थी। यूं लगता था जैसे रात वाली नींद का सफर दिन में तय कर रही थी। मैं यही सोच रहा था कि कंडक्टर ने आवाज दी 'अयोध्या'..., मतलब मेरा गंतव्य स्थान, जहां मुझे उतरना था, लेकिन मेरे मन ने कहा उसे जगाना एखलाकन (शिष्टता के लिहाज से) गलत होगा। पता नहीं उसके साथ क्या गुजरा है या क्या गुजर रहा है! सो मैं खामोश बैठा रहा और बस आगे बढ़ गई।

लखनऊ में वो कुछ कसमसाई। मुझे लगा गालिबन उसे यहीं उतरना है, लेकिन वो फिर मेरे कंधे पर सर टिकाए सो गई। कंडक्टर आया और सवालिया नजरों से मुझे घूरने लगा। मैंने इशारे से उसे आगे तक जाने की बात कही। वो आगे बढ़ गया। शाम होने लगी। बस जितना आगे जा रही थी मैं गंभीर संकट में फंसता जा रहा था। ना तो मेरी जेब में खातिर खाह (पर्याप्त) रकम थी और ना ही मेरे एकाउंट में कि पूरा इंडिया घूमने का सपना देखता। रात होने लगी। एक घंटे बाद हम नोएडा पहुंचने वाले थे। मैंने बड़ी मुश्किलों से जेब से पेन-कागज निकाला। अपना मोबाइल नंबर और नाम लिखा और उसकी गोद में पड़े एयरबैग के पॉकेट में घुसेड़ दिया। वो बे-खबर सोती रही और मैं दिल और मन के हाथों मजबूर, मन मार कर सफर करता रहा। सड़क के दोनों तरफ स्ट्रीट लाइट तेजी से भागते रहे। फिर कंडक्टर ने आवाज दी 'अक्षरधाम' और वो बे-खबर अचानक से उठी, अपना एयरबैग संभाला और पलक झपकते ही नीचे उतर गई। 'थैंक्स... शुक्रिया...' कौन कहे, मेरी तरफ एक नजर देखा भी नहीं।

पूरे एक साल बाद यह वाकया मुझे इसलिए याद आया कि मैं आज उसी रूट पर बस से सफर कर रहा हूं। इस एक साल के दरमियान जितनी बार भी किसी अंजान नंबर से मुझे कॉल आया, मेरा दिल एक लम्हे के लिए यह सोचकर जरूर धड़का कि 'कहीं ये वो तो नहीं!' *

भाग्य पर भरोसा

रेल अपनी रफ्तार से आगे बढ़ती जा रही थी। तभी कुछ सवारियों के बीच ज्योतिष को लेकर बहस छिड़ गई। एक सज्जन ने सबसे पहले अपनी धुआंधार आवाज में ज्योतिष की प्रामाणिकता पर एक से बढ़कर एक उदाहरण प्रस्तुत किए। उनके चुप होते ही दूसरे सज्जन शुरू हो गए फिर तीसरे और चौथे। जब सब बोल कर खामोश हो गए तो एक युवक बोला, 'जी, मैं आप सबको काफी देर से सुन रहा था लेकिन मेरा अनुभव यही कहता है कि ग्रह और उनकी चाल से एक मजबूत इंसान का उसका संकल्प कहीं अधिक ताकतवर होता है। एक समय था जब लोग एक गांव से दूसरे गांव जाने से पहले ज्योतिषी के पास जाते और जाने के लिए शुभ समय के बारे में पूछते थे, लेकिन आज लोग अंतरिक्ष में घूमकर आ रहे हैं बिना किसी पत्री को दिखाए। हमारे देश में सबसे ज्यादा ज्योतिष पर यकीन किया जाता है, जबकि अमेरिका, फ्रांस में बहुत ही कम लोग यकीन करते हैं, वे हमसे बहुत विकसित हैं। ग्रह-नक्षत्र, भाग्य पर वे ही लोग भरोसा करते हैं, जो अपने हाथ-पैर और दिमाग पर भरोसा नहीं करते।' तभी कोई स्टेशन आ गया। रेलगाड़ी रुक गई। वो युवक बैसाखी लेकर उठा और ठक-ठक करता रेलगाड़ी से नीचे उतर गया। बोगी में बैठे लोग उसे देखते रह गए। *

गहन अर्थयुक्त सॉनेट का सौंदर्य

पुस्तक: एक समंदर गहरा भीतर (हिंदी सॉनेट), लेखक : वेद मित्र शुक्ल, मूल्य : 295 रुपए, प्रकाशक: एकेडमिक पब्लिकेशन, नई दिल्ली

हालांकि बीते कुछ दशकों से मुक्त छंद कविताओं की तुलना में छंदयुक्त कविताएं बहुत कम ही लिखी जा रही हैं। इनमें भी सॉनेट जैसे कठिन छंद में कविताएं तो न के बराबर ही लिखी जा रही हैं। ऐसे में वेद मित्र शुक्ल का पहला सॉनेट संग्रह 'एक समंदर गहरा भीतर' इस सन्नाटे को तोड़ने की दिशा में सार्थक प्रयास है। अच्छी बात यह है कि शुक्ल ने इनमें ना केवल खूबसूरती से इस छंद को साधा है, अपने समय, सरोकार, समाज और मनोजगत के तमाम भावों को भी पूरी लयात्मकता से व्यक्त किया है। इनमें एक तरफ जहां कवि प्रकृति के सौंदर्य को मोहक रूप में शब्दबद्ध करते दिखते हैं, *'छाए रहते देखो नित ही नए-नवेले, बदरा कारे-कारे हरियाली लाने को, ठाना सावन ने ही मेघों के वे मेले, मेल-जोल अजनबियों में भी फैलाने को।'* तो समाज के श्रमजीवी वर्ग के जीवन संघर्ष और उनकी मनोदशा को भी प्रभावी ढंग से सामने लाने में सफल हुए हैं, *'ऊपर से झरे कुहासा ज्यों किस्मत काली, पर मजदूरों की आंखों से सूरज उगते, औ उसी रोशनी में अपने ग्राहक तकते, जिनको वे बेच सकें अपने दिन की लाली।'* कहा जा सकता है कि इन कविताओं का केनवस बहुत विस्तृत है, जहां रचनाकार जीवन के तमाम श्वेत-धूसर वर्णों की छवियां उकेरने में सफल हुए हैं। *

केजीएफ 2 से जर्सी परेशान

शाहिद 'कबीर सिंह' कपूर की क्रिकेट ड्रामा फिल्म जर्सी के प्रदर्शन की तिथि फिर बदलनी पड़ी। अब, जर्सी 22 अप्रैल को प्रदर्शित की जाएगी। यह हफ्ता पलायन यश की कन्नड़ फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 के हिंदी संस्करण के तूफान का है, जो बाक्स आफिस पर छाने लगा था।

कीर्तिमान के यश

कन्नड़ सुपरस्टार यश की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 की बुकिंग खुलते ही 24 घंटों में 7 करोड़ के टिकट बेच लिए ऐसी ओपनिंग अक्षय कुमार की बेल बाटम और सलमान खान की अंतिम द फाइनल ट्रुथ को भी नहीं मिली थी। पिछले साल प्रदर्शित तेलुगु फिल्मों स्टाइलिस्ट अभिनेता अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द राइज का पहला दिन बहुत सामान्य रहा था। बाद में पुष्पा ने कीर्तिमान कारोबार किया। इस धमाकेदार बुकिंग ने जर्सी को हिला कर रख दिया। उसकी एडवांस बुकिंग जोर ही नहीं पकड़ पा रही थी।

दक्षिण की चुनौती भारी

बालीवुड के कथित सुपरसितारों की दक्षिण फिल्मों के सामने कमजोरी सामने आने लगी। इससे पहले भी दक्षिण की कई फिल्मों ने हिंदी बेल्ट में धमाकेदार कारोबार किया था। अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द राइज के सामने रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के कबीर खान निर्देशित क्रिकेट ड्रामा फिल्म पिछड़ गई। इससे पहले शाहरुख खान, कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा की फिल्म जीरो को केजीएफ चैप्टर 1 के सामने पहले हफ्ते में ही शर्मनाक तरीके से पिछड़ना पड़ा।

राधे श्याम के बावजूद

विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स ने प्रभास की बहुभाषी फिल्म राधे श्याम को बाक्स आफिस पर रगेद दिया। परन्तु, यह विशुद्ध बालीवुड फिल्म नहीं थी, दूसरे राधे श्याम और द कश्मीर फाइल्स के बाद प्रदर्शित अक्षय कुमार की फिल्म बच्चन पाण्डेय को बुरी असफलता का सामना करना पड़ा। बच्चन पाण्डेय का बाक्स आफिस कारोबार फ्लाप मानी जा रही प्रभास की राधे श्याम के आसपास तक नहीं था। दक्षिण के दो बड़े सितारों रामचरण और जूनियर एनटीआर की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म आरआरआर प्रदर्शित हुई। इसकी धमाकेदार शुरुआत का अनुमान इस से लगाया जा सकता है कि द कश्मीर फाइल्स के कारोबार की बातें तो हुई, लेकिन बच्चन पाण्डेय का जिक्र तक नहीं हुआ। आरआरआर का हिंदी संस्करण बाक्स आफिस पर दोहरा शतक जमा चुका है।

हजार करोड़ की चुनौती

दक्षिण की फिल्मों ने हिंदी बेल्ट के बाक्स आफिस पर पैर जमा लिए हैं। आरआरआर ने पूरे विश्व में 1000 करोड़ का कारोबार कर अपना लोहा मनवा लिया, वही बालीवुड के कथित सुपरसितारों को चुनौती भी पेश कर दी है। अब इन्हें दक्षिण की तेलुगु, कन्नड़ और तमिल फिल्मों के सामने दोयम दर्जा स्वीकार करना होगा।

जोरदार साबित होंगे जयेशभाई

बालीवुड के सुपर सितारों की आने वाली फिल्में इसी चुनौती का शिकार हो सकती हैं। मई में रणवीर सिंह की कामेडी फिल्म जयेश भाई जोरदार 13 मई को प्रदर्शित होगी। 20 मई को निर्देशक अनीस बज्मी की कामेडी फिल्म भूल भुलैया 2 प्रदर्शित हो रही है। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा। राजकुमार राव की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म हिट द फर्स्ट केस रीमेक और रानी मुखर्जी की कामेडी ड्रामा फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे भी चुनौती है।

परस्पर टकराव और मौके

बालीवुड सितारों के पास मौके बहुत से हैं। पर आपसी टकराव भी है। 29 अप्रैल को बालीवुड की दो बड़ी फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं। अजय देवगन के निर्देशन में अमिताभ बच्चन और अजय देवगन की भूमिका वाली थ्रिलर फिल्म रनवे 34 प्रदर्शित हो रही है। इसको युवा एक्शन सितारे टाइगर श्राफ की एक्शन फिल्म हीरोपंथी 2 से मिल रही है। टाइगर बार की सफलता के बाद, बाक्स आफिस पर काफी विश्वसनीय अभिनेता बन गए हैं, उनकी हीरो पंथी, रनवे को फिसलन भारी राह दे सकती है। दोनों ही फिल्में शाहिद कपूर की जर्सी राह कंटीली ही करेंगी। इन सभी फिल्मों को आरआरआर की चुनौती भारी पड़ेगी।

मैदान में पृथ्वीराज

जून में, अक्षय कुमार और अजय देवगन की फिर परीक्षा होगी। दोनों की फिल्में, देवगन की बायोपिक फिल्म मैदान और अक्षय की ऐतिहासिक फिल्म पृथ्वीराज 3 जून को बाक्स आफिस पर टकरा रही है। जबकि बाक्स आफिस पर बालीवुड के दो बड़े सितारे एक दूसरे को चुनौती दे रहे हैं।

रणवीर से रणबीर तक

8 जुलाई को प्रदर्शित होने जा रही जान अब्राहम, अर्जुन कपूर, तारा सुतारिया और दिशा पाटनी की फिल्म एक विलेन रिटर्न्स, 15 जुलाई को प्रदर्शित हो रही रणवीर सिंह की रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म सर्कस, 22 जुलाई को प्रदर्शित रणवीर कपूर, संजय दत्त और वाणी कपूर की डाकू फिल्म शमशेरा, 29 जुलाई को अजय देवगन और सिद्धार्थ मल्होत्रा की कामेडी फिल्म थैंक गाड, 11 अगस्त को एकदूसरे को चुनौती दे रही। अक्षय और आमिर खान की फिल्म रक्षा बंधन और लाल सिंह चड्ढा बाक्स आफिस पर दक्षिण की फिल्मों की चुनौती को पार कर पाएंगी। तेलुगु फिल्मों के युवा सितारे विजय देवेराकोंडा की बहुभाषी फिल्म लाइगर 25 अगस्त को इनके लिए मुसीबत खड़ी कर सकती हैं।

बाक्स आफिस पर ब्रह्मास्त्र शक्ति

सही मायनों में बालीवुड पावर का अंदाजा फिल्म ब्रह्मास्त्र देगी। इसमें दक्षिण के नागार्जुन के साथ रणबीर कपूर, अमिताभ बच्चन, आलिया भट्ट, डिंपल कपाड़िया और मौनी राय है। ब्रह्मास्त्र सीरीज की पहली फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 शिवा का बजट स्टारकास्ट की तरह ही भारी भरकम है। इसे फ्लाप होने से बचने के लिए भारी कारोबार करना ही है। सितम्बर में ही ऋतिक रोशन की सितारा शक्ति की परीक्षा भी हो जाएगी।

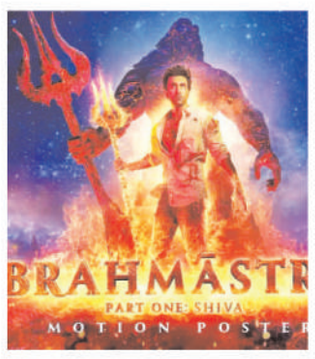

अंतिम परीक्षा

अगर रक्षाबंधन हिट नहीं हुई तो क्या अक्षय कुमार की थ्रिलर फिल्म राम सेतु को दर्शक मिल पाएंगे? ऐसे में सिद्धार्थ मल्होत्रा की पहली एक्शन फ्रैंचाइजी योद्धा, वरुण धवन की भेड़िया, ईशान खट्टर की युद्ध फिल्म पिप्पा, संजय दत्त की पीरियड फिल्म द गुड महाराजा और टाइगर श्राफ की एक्शन फिल्म गणपत को क्या दर्शक मिल पाएंगे? 2022 में आखिरी परीक्षा सलमान खान की उनकी फिल्म कभी ईद कभी दिवाली से हो जाती निर्माता रूप में साजिद नाडियाडवाला के फिल्म छोड़ देने के बाद 2022 में प्रदर्शित होने पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। ■

बालीवुड

आदित्य राय कपूर का एक्शन अवतार

अब आदित्य राय कपूर फिर एक्शन अवतार में दिखाई देने जा रहे हैं। फिल्म मलंग के बाद, आदित्य की ओम द बैटल विथिन खालिस एक्शन फिल्म लग रही है। फिल्म के पोस्टर में आदित्य भारी स्वचालित बन्दूक पकड़े नजर आ रहे हैं। फिल्म की परिकल्पना और लेखन लाकडाउन के दौरान ही किया गया था। इसका निर्देशन एक्शन डायरेक्टर टीनू वर्मा के पुत्र कपिल वर्मा कर रहे हैं।

सनी लियोनी की फिल्में

सनी लियोनी को बालीवुड में आइटम नंबर ही मिल रहे हैं। दक्षिण में खास तौर पर तमिल फिल्म उद्योग उन्हें अच्छी भूमिकाएं दे रहा है। उनकी दूसरी तमिल फिल्म ओएमजी ओह माय घोस्ट का पोस्टर अभिनेता विजय सेतुपति द्वारा जारी किया गया। सेतुपति हिंदी फिल्म मेरी क्रिसमस में कैटरीना कैफ के नायक हैं। ओह माय घोस्ट का निर्देशन युआन ने किया है। इसमें सनी ने खून की प्यासी महारानी की भूमिका की है फिल्म के पोस्टर में वह दो तलवारे पकड़े दिखाई दे रही हैं। सनी की दूसरी फिल्म कोटेशन गैंग है। रहस्यपूर्णभयावनी फिल्म में जैकी श्राफ और प्रियामणि है। प्रियामणि कान्ट्रैक्ट किलर बनी है। यह फिल्म कई भाषाओं में प्रदर्शित की जाएगी।

हिंदी फिल्म में काम करेंगे महेश बाबू

महेश बाबू की एक्शन फिल्म सरकारू वारि पाता का नया पोस्टर जारी किया गया। इसमें महेश बाबू और कीर्ति सुरेश की मुख्य भूमिका है। यह बैंक घोटाले की कहानी पर आधारित है। सरकारू वारि पाता का निर्देशन परसुराम ने किया है। यह 12 मई 2022 को प्रदर्शित होगी। महेश तेलुगु फिल्म स्टार हैं, जो हिंदी फिल्मों में काम करने से इनकार कर चुके हैं। उनकी तेलुगु फिल्में हिंदी में डब हो कर टेलीविजन और यूट्यूब पर प्रदर्शित हो चुकी हैं। इनसे महेश बाबू के हिंदी पेटी में काफी प्रशंसक बन चुके है। क्या बाबू की सरकारू वारि पाता भी हिंदी में डूब कर प्रदर्शित होगी?

सीता रामम

निर्देशक हनु राघवपुडी ने अपनी फिल्म सीता रामम की झलकियां और पोस्टर पेश किए। यह आधुनिक राम और सीता के प्रेम की कहानी है। दोनों को मिलाने के लिए मुस्लिम चरित्र अफरीन प्रयत्न करता है। सेक्युलर टाइप की लग रही इस फिल्म में राम की भूमिका दुलकर सलमान और सीता की भूमिका मृणाल ठकुर कर रही हैं। अफरीन पुष्पा की श्रीवल्ली रश्मिका मंदाना है।

महात्मा फुले पर फिल्म

19वी शताब्दी के महान समाज सुधारक महात्मा फुले की जयंती पर उनके जीवन पर फिल्म की घोषणा की गई। फुले शीर्षक वाली इस फिल्म का निर्देशन अनत नारायण महादेवन कर रहे हैं। फुले की भूमिका टीवी सीरीज स्कैम 1992 में हर्षद मेहता की भूमिका करने वाले गुजराती अभिनेता प्रतीक गांधी कर रहे हैं। उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले की भूमिका पत्रलेखा कर रही है।

■ अकां

टीवी

बहुप्रतीक्षित सीरीज है 'माई'

'माई' नेटफ्लिक्स की बहुप्रतीक्षित सीरीज है। 'माई' को अतुल मोंगिया और अशाई लाल ने निर्देशित किया है। साक्षी तंवर उर्फ 'शील' कहती हैं, हमारी कड़ी मेहनत का नतीजा-'माई'। राइमा सेन भी कहती हैं, वेहद

खुशी का अनुभव हुआ। 'माई' क्रिएटिव रूप से काफी सुखद रहा है। डायरेक्टर अतुल मोंगिया ने कहा, दिल्ली मेरा होमटाउन है, इसलिए मुझे हमेशा ही अच्छा लगता है, भले ही कितना ही व्यस्त शेड्यूल क्यों ना हो।

बहू के रिश्ते के बारे में बोली अलका

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो 'मोसे छल किए जाए' में सास सुषमा (अलका बडोला कौशल) है। अलका कहती है, पितृसत्तात्मक समाज में अक्सर आवाज को कुचला जाता है। जो सही है उसे चुनने में असमर्थ होने के उसके इतिहास ने उसे कई बार चोट पहुंचाई है।

'बाल शिव' ने पूरे किए 100 एपिसोड

एण्डटीवी के 'बाल शिव' ने 100 एपिसोड पूरे कर लिए। बाल शिव यानि आन तिवारी ने कहा, मैं महादेव का बड़ा भक्त हूं और लोग मुझे बाल शिव कहकर पुकारते हैं। महासती अनुसुइया, यानि मौली गांगुली ने कहा, हम सभी का रिश्ता काफी करीबी वाला है और हम परिवार बन चुके हैं। हम बहुत उत्साहित हैं।

शर्वरी आईकानिक डांस नंबर्स कर रही

शर्वरी का फिल्म इंडस्ट्री से कोई नाता नहीं रहा हो, लेकिन उन्होंने मुकाम बना रही हैं। इसको डांसिंग वेहद पसंद है और वे अलग-अलग तरह के डांस फार्म सीखने की कोशिश कर रही हैं। शर्वरी ने कहा, मुझे वर्कआउट के रूप में डांस करना अच्छा लगता है और ऐसा करके मुझे सबसे ज्यादा खुशी मिलती है। मैं नए-नए डांस फार्म और स्टाइल को सीखने की कोशिश में यकीन रखती हूं।

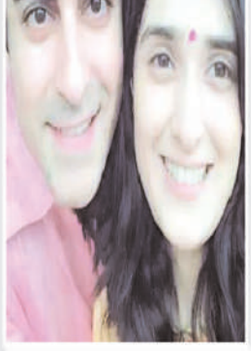

गौतम निभाएंगे कैमियो

स्टार भारत फिक्शन शो 'गुड से मीठ इश्क' के एंखुड़ी अवस्थी टूरिस्ट है। एंखुड़ी के पति गौरत रोड़े इसमें कमियो किरदार निभाएंगे। इस जोड़ी का रोमांस सोशल मिडिया पर है पर स्क्रीन पर देखना दिलचस्प होगा।

शादी में कुमार सानू गाएंगे

स्टार प्लस 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में प्रसिद्ध गायक कुमार सानू डेब्यू करेंगे। कुमार सानू ने कहा, मैं नजर आने वाला हूं, स्क्रिप्ट मुझे बहुत पसंद आई। सिर्फ गाना गाने की वजाय मैं और बहुत कुछ नया करता हुआ नजर आऊंगा। जो मेरे लिए चैलेंजिंग है और मुझे यहां परिवार जैसा अनुभव हुआ। आर्टिस्ट को करने के लिए इंट्रेस्टिंग होगा तो उसे करने में भी मजा आए।

आशीष भारद्वाज ने लिखी कविता

जी टीवी का शो 'मिठई' लव स्टोरी और फैमिली ड्रामा है, जो मिठई (देवत्तमा सहा) और सिद्धार्थ (आशीष भारद्वाज) की कहानी है। सिद्धार्थ व्यवहारिक लड़का है, जो अपनी मां की मौत के बाद से सख्त हो गया है, उन्होंने कुछ लाइनें लिखी। आशीष ने लिखा, न शाखा जुड़ी, न जड़ पकड़ी, फिर भी जिंदा हूं मैं, अधूरा हूं मैं। उन्होंने अपने किरदार की भावना को समझने और इसे निभाने के लिए इसे लिखा है।

आदित्य ने संभाली कमान

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का किड्स सिंगिंग रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर सीजन 2 'सिंगिंग का कल' तैयार है। जजों ने हिमेश रेशमिया, जावेद अली और अल्का याग्निक का नाम घोषित किया गया। आदित्य नारायण ने कहा, होस्ट बनना हमेशा मेरे लिए समृद्ध अनुभव रहा है, वाकई रोमांचित हूं। यह बच्चों पर आधारित गायन शो है, लगता है जैसे मैं घर वापस आ रहा हूं।

पिता को एक्टिंग करना पसंद नहीं थाः रवि किशन

जी टीवी के भक्ति-गायन रियलिटी शो 'स्वर्ण स्वर भारत' में होस्ट रवि किशन ने संघर्ष के दिनों की यादें ताजा की और बताया कि उनके पिता उनकी एक्टिंग का समर्थन नहीं करते थे। रवि किशन बताते हैं, बहुत-से लोग ये नहीं जानते कि मैंने कई वर्षों तक संघर्ष किया और बहुत-से रोल्स निभाए हैं। मैं बनारस के पास स्थित गांव से हूं, जहां मेरे पिता पुजारी थे। मैं बचपन से ही एक्टर बनना चाहता था। मैंने रामलीला में सीता का रोल भी किया लेकिन मेरे पिता नहीं चाहते थे कि मैं एक्टिंग करूं। दूसरी ओर मेरी मां ने हमेशा मेरा साथ दिया। वो चाहती थी कि मैं अपना सपना पूरा करूं और आगे बढ़ूं। मां ने मुझे 500 रुपए दिए और मैं मुंबई भाग आया।

गिल्टी माइंड्स श्रिया व वरुण मुख्य भूमिकाओं में

प्राइम वीडियो ने लीगल ड्रामा, अमेजन ओरिजिनल सीरीज गिल्टी माइंड्स में श्रिया पिलगांवकर (मिर्जापुर) और वरु ण मित्रा (जलेबी, तेजस) लीड किरदारों में हैं। नम्रता सेठ, सुगंधा गर्ग, कुलभूषण खरबंदा, सतीश कौशिक, बेंजामिन गिलानी, वीरेंद्र शर्मा, दीक्षा जुनेजा, प्रणय पचौरी, दीपक कालरा और चित्रांगदा सतरूपा भी हैं। डायरेक्टर शेफाली भूषण ने कहा, गिल्टी माइंड्स दो सफल वकीलों पर आधारित है जो न्याय और क्लाइंट्स के लिए लड़ते हैं। मेरे घर में डिनर टेबल पर कानून (ला) लगातार चर्चा का विषय हुआ करता था और मैं हमेशा से इसमें दिलचस्पी लेती रही हूं। मैं लीगल सिस्टम पर वास्तविक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना चाहती थी।

राम गोपाल वर्मा की 'दहनम' में लौटी ईशा

ईशा कोप्पिकर कापिकर के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें क्या कूल है हम, शबरी और कई अन्य फिल्मों में पुलिस वाले की भूमिका निभाते हुए देखा है, वो राम गोपाल वर्मा की फिल्म

दहनम में आईपीएस अधिकारी की भूमिका है। यह फिल्म एमएक्स प्लेयर पर रिलीज किया है। ईशा ने कहा, वर्दी पहनना गर्व की बात है। इसमें जिम्मेदारी और विश्वास की भावना आती है। वर्दी में अधिकारी हर दिन कड़ी मेहनत करते हैं और चुनौतियों का सामना करते हैं। मैं राम गोपाल वर्मा के इस प्रोजेक्ट से जुड़कर रोमांचित हूं। इसका निर्देशन अगस्त्य मंजू ने किया है। इसमें ईशा कोप्पिकर, नैना गांगुली, अभिषेक दुहान, अश्वतकात शर्मा, पार्वती अर्जुन, सयाजी शिंदे, अभिलाष चौधरी और प्रदीप रावत हैं।

जादुई गुड़िया के साथ गोदभराई

सोनी सब का 'वागले की दुनिया' झगड़े के बाद, गोदभराई के लिए वापस आती हैं। मानसी जोशी, जो यामिनी का किरदार निभा रही हैं, ने कहा, आगे महत्वपूर्ण मुद्दे को दिखाया है, आज भी समाज में महिलाओं को प्रभावित करता हैं। कल्याणी मौसी यामिनी को गोदभराई समारोह में आने से रोक देती हैं, तो उसे बहुत दुःख होता है। यामिनी बहुत लंबे समय से मां बनने की कोशिश कर रही है, इसलिए कल्याणी मौसी की बातें उसके दिल को चोट पहुंचाती हैं।

इंडियाज गाट टैलेंट ने टाप 7 ढूंढ लिया

इस शो ने शीर्ष 7 फाइनलिस्ट मुंबई से हिप-हाप डांसर्स डिमोलिशन क्रू, गुरुग्राम से स्टंट ग्रुप वारियर स्क्वाड और दिल्ली से गर्ल डांस ग्रुप वाम्ब फायर क्रू, 'छोटी जबलपुर की लता इशिता विश्वकर्मा, ऋषभ चतुर्वेदी अमृतसर से, बीटबाक्सर और बांसुरी जयपुर और भरतपुर से दिव्यांश और मनुराज और विजाग से जादूगर बीएस रेड्डी। मनोज मुंतशिर द्वारा गढ़ी गई 'छोटी लता', जबलपुर की इशिता वियवकर्मा ने फिनाले में जगह बनाई। अभिनेता धर्मेंद्र को हस्तलिखित पत्र उपहार में देने तक, इशिता की यात्रा आनंदमयी रही है। ऋषभ चतुर्वेदी स्टूडियो और म्यूजिक कंपनी के मालिक हैं। बीटबाक्सर और बांसुरीवादक जोड़ी दिव्यांश और मनुराज ने किरण खेर का दिल जीता।

गार्गी ने बिजनेस संभाला

सोनी सब के 'सब सतरंगी' में मन्नु (मोहित कुमार) हिम्मत जुटाकर गार्गी से अपने दिल की बात कह देता है। मोहित कहते हैं, मन्नु को गार्गी के लिए अपने एहसासों का पता चल जाता है और वह उसे सपोर्ट करना चाहता है और उसकी रक्षा करना चाहता है।

पंकज कपूर को कूल नहीं लगता था फैशन सेंस

शाहिद कपूर द कपिल शर्मा शो में मृणाल ठकुर और पिता (एवं को-एक्टर) पंकज कपूर के साथ फिल्म 'जर्सी' को प्रमोट करने आए, तो उन्होंने खुलासा किया कि कैसे

उनके पिता को उनकी नेट शर्ट नापसंद थी, जिसका बड़ा क्रेज था, जब वो टीनएज में थे। शाहिद ने कहा, पापा मेरे कपड़ों के बारे में बहुत शिकायत करते थे क्योंकि मैं वो आर-पार नजर आने वाली नेट टी-शर्ट और वो सब पहनता था, जो फैशन में था। मैंने उससे पूछा, क्या हुआ पापा? उन्होंने कहा, तुमने क्या पहना है? मैंने कहा, यह कूल है पापा और उन्होंने कहा, अंदर सब दिख रहा है बेटा।

किशोर कुमार को दी श्रद्धांजली

लेजेंडरी किशोर कुमार को उनकी पत्नी लीना चंदावरकर की मौजूदगी में श्रद्धांजलि दी। लीना बताया

कि किशोर दा ने पहली मुलाकात में ही उन्हें प्रपोज कर दिया था, लेकिन उन्होंने रिजेक्ट कर दिया। लीना के पिता ने उन्हें मुसीबत कह दिया तो वो गुस्से में घर छोड़कर चली गई। उन्होंने किशोर कुमार को फोन किया और पूछा कि क्या वो उनसे शादी करेंगे।

उत्तर प्रदेश सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक किए तथा एक महिला लाभार्थी को चेक भी भेंट किए

प्रखर गोरखपुर । प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्माण कार्यो के गुणवत्तायुक्त, समयवद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि यदि कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण किये जाये तो रिवाइज स्टीमेट की स्थिति नही आयगी और अनावश्यक व्यय भार नहीं बढेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि कार्य समय से पूर्ण न हो तो सम्बंधित की जबाबदेही/ उत्तरदायित्व निर्धारित की जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक परियोजना हेतु एक नोडल अधिकारी अवश्य नामित किये जाये। इसके अतिरिक्त उन्होंने निर्देशित किया कि बाढ़ बचाव से सम्बंधित सभी तैयारियां समय से पूर्व ही पूर्ण कर ली जाये। उन्होंने कहा कि संवेदशील बंधों की मरम्मत कार्य बरसात से पूर्व करा लिये जाये और महानगर में जल जमाव की स्थिति नहीं होनी चाहिए इसलिए नालों की सफाई आदि के कार्य समय से से करा लिये जाये तथा कार्यो की नियमित मानिटरिंग की जाये।

उक्त निर्देश मुख्यमंत्री ने आयुक्त सभागार में आयोजित मण्डलीय विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक करते हुए दिये। इस अवसर पर उन्होंने गोरखपुर जनपद के गायत्रीनगर निवासी 2 लाभार्थियों कलावती देवी के पुत्र की विद्युत दुर्घटना में एवं उर्मिला देवी के पति के असामयिक निधन पर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से दो-दो लाख का चेक प्रदान किये।

मुख्यमंत्री ने जनपदवार विकास कार्यक्रमों कानून व्यवस्था एवं 10 करोड़ की परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों से बेहतर संवाद स्थापित करते हुए माह में कम से कम एक बार उनके साथ बैठक किया जाये तथा यह भी सुनिश्चित हो कि जनप्रतिनिधियों के फोन प्रापर अटेंड हों तथा उनका प्रापर रिस्पांस हों। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास पर खरा उतरना हम सभी कर दायित्व है। जनता के प्रति संवेदशील होकर अधिकारीगण उनकी समस्या का समाधान करे और दूरभाष के माध्यम से प्रकरण निस्तारण की जानकारी भी आवेदक से पूछे। मेरिट के आधार पर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जाये। न्याय पाने का अधिकार सभी का है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्न्त-विभागीय समन्वय में बहुत बड़ी ताकत होती है और इसी का परिणाम है कि इन्सेफ्लाइटिस की समस्या को नियंत्रित किया गया है। मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत महिलाओं को स्वावलम्बन सम्मान से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु ग्राम पंचायतो में साप्ताहिक कार्यक्रम बनाते हुए अर्न्त-विभागीय समन्वय की सयुक्त टीम चौपाल लगाकर समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निस्तारित करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सभी अधिकारी समय से कार्यालयों में उपस्थित होकर जन समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें और जनसमस्याओं का एक रजिस्टर भी बनाया जाये तथा उसमें निस्तारण की स्थिति अंकित की जाये। इसके साथ ही

अधिकारी अपने तैनाती स्थल पर ही रात्रि निवास करें।

स्कूल चलो अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के प्रति गांव वार जागरूकता उत्पन्न करते हुए यह सुनिश्चित किया जाये कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न होने पाये और वह स्कूल अवश्य जाये उसे यूनिफार्म जूता मोजा आदि उपलब्ध कराये। उन्होंने कार्याकल्प योजना के तहत विद्यालयों के सौन्दर्यीकरण पर विशेष बल दिया ताकि विद्यालयों में कुछ नयापन दिखे। उनहेंने कहा कि बीमारियों से बचने हेतु स्वच्छता एवं शुद्ध पेयजल को अपने जीवन मे अपनाना होगा तभी संक्रमित बीमारियों से बचा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद नगर निगम/गाम पंचायतो से 75-75 तालाबों का निर्माण कराया जाये तथा अमृत महोत्सव के तहत इन तालाबो को अमृत सरोवर का नाम दिया जाये।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि हर ग्राम पंचायत में एक खेल का मैदान तथा सालिड वेस्ट हेतु एक खाद्व का गढ्ढा बनाया जाये जिससे कम्पोस्ट खाद्व भी तैयार होगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी योजना में अनियमितता की शिकायत नहीं होनी चाहिए और योजनाएं रोजगारपरक हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि कहीं गड़बड़ी की शिकायत पाई जाती है तो सम्बंधित के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री ने संचारी रोग/दस्तक अभियान की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि उद्यमियों/व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु मण्डल/जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक अवश्य की जाये। हर ग्राम में ग्राम सचिवालय स्थापित हो और ग्रामीणों की समस्या का समाधान वही से किया जाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जाम की समस्या से निजात पाने हेतु ट्रैफिक नियमों का पालन किया जाना आवश्यक है ताकि स्फूर्ति के साथ आवागमन संचालित रहें। उन्होंने गोरखपुर-सोनौली मार्ग, नौसढ़-पैडलेगंज, गोरखपुर-वाराणसी आदि मार्गो के निर्माण कार्यो को तेजी के साथ पूर्ण करने के निर्देश सम्बंधित कार्यदायी संस्थाओं को दिये ताकि जनसामान्य को आवागमन में असुविधा न हो सके। उन्होंने कलेक्ट्री एवं कमिश्नरी को इंटीग्रेटेड आफिस बनाने तथा पर्यटन को बढावा देने के निर्देश देते हुए कहा कि गोरखपुर मण्डल में पर्यटन की ढेर सारी सम्भावनाये है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी बनाने की तरह स्मार्ट गांव बनाने की दिशा में भी कार्य किये जाये तथा स्ट्रीट वेन्डरों को व्यवस्थित पुर्नवासन किया जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों के चौड़ीकरण के साथ ही जल निकासी हेतु डेनेज की व्यवस्था, अण्डरग्राउंड केबिल को विकसित करें। उन्होंने कहा कि वनटांगियां गांव, मुसहर बस्ती में मूलभुत सुविधाएं विकसित की जाये। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अपराधियों से शक्ति से निपटा जाये। थानो पर आने वाले लोगो के लिए पेयजल, बैठने आदि का पर्याप्त व्यवस्था के साथ ही उनकी शिकायतो की सुनवाई संवेदनशीलता के साथ हो। थानो पर अनावश्यक पड़ी समानो का नियमानुसार निस्तारण भी किया जाये। पुलिस पेट्रोलिंग को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया जाये सप्ताह में एक दिन शहीद स्थलों/पर्यटन स्थलों पर पुलिस बैण्ड के द्वारा देश भक्ति की धुन को बजाया जाये। बैठक के दौरान मण्डल के जिलाधिकारियों ने अपने अपने जनपद के विकास कार्यक्रमों की प्रगति तथा पुलिस के अधिकारियों द्वारा कानून व्यवस्था के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिया गया। बैठक में सांसद राज्य सभा जय प्रकाश निषाद, सांसद बांसगांव कमलेश पासवान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती साधना सिंह, महापौर सीताराम जायसवाल, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, प्रदीप शुक्ला, विपिन सिंह, महेन्द्रपाल सिंह, राजेश त्रिपाठी सहित मण्डलायुक्त रवि कुमार एनजी एवं मण्डल के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

आंधी में 95 बिजली के खंभे टूटे, 60 गांवों की आपूर्ति बाधित

मैनपुरी। आंधी से जिलेभर में बिजली के 95 खंभे टूट गए। इससे 60 गांवों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। सुबह होते ही विद्युत निगम की टीमों ने पेट्रोलिंग शुरू कर नुकसान की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को दी। इसके बाद लाइनें सही करने के लिए काम शुरू करा दिया गया।जिले में रात 12 बजे के करीब तेज हवा चलीद्ध कुछ क्षेत्रों में हवा की रफ्तार अधिक होने से इसने आंधी का रूप ले लिया और बिजली आपूर्ति के लिए लगाए गए 95 बिजली के खंभे टूट गए। खंभे टूटने से 60 गांवों की आपूर्ति बाधित हो गई। सुबह होते ही विद्युत निगम ने नुकसान के आकलन के लिए पेट्रोलिंग शुरू कर दी। रिपोर्ट में पता चला कि उप खंड सिविल लाइन क्षेत्र में सर्वाधिक 34, उप खंड बरनाहल में 30, उपखंड करहल में 25 और उपखंड किशनी में छह खंभे टूटे हैं। इससे विद्युत निगम को लगभग पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है।सुबह से ही विद्युत निगम की टीमें टूटे खंभे के स्थान पर नए खंभे लगाने और बिजली की लाइनों को सही करने में जुटी रहीं। देर शाम तक केवल बरनाहल में 33 केवी लाइन की आपूर्ति को छोड़कर अन्य सभी जगह आपूर्ति चालू करा दी गई। उप खंड अधिकारी बरनाहल दिलीप भारती ने बताया कि रात तक ये लाइन भी शुरू करा दी जाएगी। तेज हवाओं से कई क्षेत्रों में पेड़ की शाखाएं टूटने से बिजली के तार टूट गए। वहीं किशनी और करहल क्षेत्र में टिनशेड उड़ गए, इससे आमजन को परेशानी हुई। हालांकि कुछ देर में हवा सामान्य हो गई। तेज हवाओं के चलते शहर से लेकर देहात तक पेड़ों की शाखाएं व कुछ पुराने सूखे पेड़ धराशाई हो गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सुलझाया एक परिवार के 5 की हत्या का केस

प्रयागराज। प्रयागराज के खागलपुर गांव में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या की गुत्थी पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद लगभग सुलझ गई है। पुलिस की जांच में घर के मुखिया राहुल तिवारी की मौत फांसी के लगाने की वजह से हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ये बात सामने आई। शुरूआत से इस बात की चर्चा चल रही थी कि मृतक राहुल ने ही परिवार के लोगों को मारा और फिर फांसी लगा ली। इस मामले में अभी भी पुलिस की जांच जारी है। सुसाइड नोट में जिक्र लोगों को अरेस्ट कर पुलिस अभी उनसे पूछताछ कर रही है।

नवाबगंज में हुए 5 लोगों की हत्या के बाद पूरे प्रदेश में तहलका मच गया। पूरे घटनाक्रम पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्वयं नजर रखी तो उधर विपक्षी प्रदेश सरकार को घेरने में जुटी रही। इन सब कयासों के बीच पोस्टमार्टम की रिपोर्ट ने पूरे मामले के रुख को मोड़ दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार परिवार के मुखिया राहुल तिवारी की मौत फांसी लगाने से हुई। शरीर पर लिगेचर

मार्क के सिवाय अन्य कोई चोट नहीं पाई गई। यही नहीं हायड अस्थि जस की तस पाई गई है। खुलासे के लिए पुलिस की सात टीम लगी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद बहुत सी बातें इस मर्डर मिस्ट्री में साफ हो गई हैं। कयासों के बीच जांच कर रही टीम को आम लोगों बीच चर्चा रही बात सच साबित हो गई दरअसल मर्डर के बाद से ही लोग इस बात की चर्चा कर रहे थे कि राहुल तिवारी ने ही मरने के बाद खुद फांसी पर लटक कर अपनी जान दे दी। आत्महत्या की बात पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तो साफ हो। लेकिन पुलिस अभी इस घटनाक्रम के और पहलुओं की जांच कर रही है। इस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही पुलिस टीम की ओर से एक प्रेस नोट जारी किया गया है। उसमें बताया गया है कि दो पन्नों के हस्त लेख (सुसाइड नोट) और पोस्ट मॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक मृतक राहुल तिवारी ने साड़ी के फंदे का इस्तेमाल करके आत्महत्या कर ली। मृतक राहुल तिवारी के बड़े भाई मुन्ना तिवारी की तहरीर पर तत्काल ही 4 संदिग्धों के खिलाफ दफा 302, 34 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। 10 घण्टे के भीतर सभी 04 नामजद अभियुक्तों को हिरासत में ले लिया गया है।

माननीय कह कर शिवपाल को इज्जत देने लगे हैं भाजपा नेता

इटावा। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव अभी भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं, लेकिन भाजपा नेता उन्हे माननीय कह कर इज्जत देने में जुट गए हैं। शिवपाल सिंह को यह इज्जत कहीं और नहीं बल्कि खुद उनके गृह जिले इटावा में भाजपा नेताओं से मिल रही है। यूपी अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के सदस्य और भाजपा के वरिष्ठ नेता केके राज शिवपाल के भाजपा में शामिल होने को फायदेमंद मानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह ही प्रसपा प्रमुख के बारे में अंतिम निर्णय लेगे। उन्होंने कहा कि शिवपाल बड़े नेता हैं इसलिए भाजपा को हर हाल में फायदा ही होगा। गौरतलब है कि 26 मार्च से शिवपाल सिंह के भाजपा में शामिल होने की चचाएँ चल रही हैं। शिवपाल को भाजपा के लिये फायदे का सौदा कहने वाले भाजपा नेता केके राज मौजूदा वक्त में उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के सदस्य और 1991 में इटावा जिले की लखना विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के एमएलए निर्वाचित हो चुके हैं। राजनीति की मुख्यधारा में आने से पहले केके राज 1988 में इटावा नगर पालिका परिषद के सभासद निर्वाचित हुए थे। केके राज को इटावा मे दलित राजनेता के तौर पर प्रभावी माना जाता है। कोरी बिरादरी से ताल्लुक रखने वाले केके राज भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कद्दावर नेताओं के बेहद करीबी माने जाते हैं। भाजपा के नेता समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव के बागी चाचा शिवपाल सिंह यादव को जिस तरह से इज्जत दे रहे हैं। उससे एक बात साफ होती हुई दिखाई दे रही है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता कहीं ना कहीं शिवपाल सिंह यादव के प्रति विनम्र और विनम्र बन रहे हैं।

फर्जी वीजा से विदेश भेजने के नाम पर लोगों को ठगने वाले दो गिरफ्तार

नोएडा। फर्जी वीजा बनाकर लोगों को विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी के मामले के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 15 नेपाली पासपोर्ट, 15 फर्जी वीजा, एक भारतीय पासपोर्ट, पेनड्राइव, लैपटॉप और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। नोएडा सेक्टर 20 थाने की पुलिस को खबर मिली थी कि मुकेश कुमार अपने साथी पीयूष पांडे के साथ मिलकर धोखाधड़ी कर रहा है। आरोप था कि मुकेश लोगों को फर्जी वीजा बनाकर विदेश भेजने के नाम पर ठगी कर रहा है। पीयूष पांडे प्रयागराज का रहने वाला है, जबकि आरोपी मुकेश कुमार दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस ने इन आरोपियों के कब्जे से फर्जी वीजा और पासपोर्ट बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि इन आरोपियों ने सैकड़ों लोगों को ठगा है। विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की है। आरोपियों ने ज्यादातर नेपाली नागरिकों को अपना निशाना बनाया है।

दमकल इंजन, देसी तमंचा व चारपहिया वाहन के साथ 4 शातिर पुलिस गिरफ्त में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक के कुशल निदेशों मे जनपद में हो रहे अपराध को रोकने हेतु व अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत आज दिन

रविवार 17 अप्रैल को उ.नि. कृष्ण प्रताप सिंह प्रभारी शहनिन्दा थाना मु.बाद मय हमराही कर्मचारीगण का. नीरज कुमार यादव, का. रामसागर व का. प्रभाकर मिश्र जुर्म जरायम व शान्तिव्यवस्था हेतु थाना स्थानीय से रवाना होकर थाना क्षेत्र अदिलाबाद में मामुर था। जहाँ पर मुखबीर खास ने आकर बताया कि बोलेरो गाड़ी से जिसका नम्बर UP75F4667 है से चार लोग चोरी का इंजन लेकर ग्राम शक्करपुर कला थाना बरेसर गाजीपुर से मुहम्मदाबाद की तरफ आ रहे हैं, जो इंजन को कहीं बेचने के लिए जा रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस वाले हाटा रेलवे क्रासिंग के पास रविवार को समय करीब 1.30 अट पर अभियुक्तगणों अंकित कुमार (19 वर्ष) पुत्र रामकठिन राम निवासी शक्करपुर कला थाना बरेसर जनपद गाजीपुर, हरेन्द्र कुमार (21 वर्ष) पुत्र केदार राम निवासी शक्करपुर कला थाना बरेसर, अजय कुमार (23 वर्ष) पुत्र रामलखन राम निवासी शक्करपुर कला थाना बरेसर व संदीप कुमार (23 वर्ष) पुत्र रामू राम निवासी शक्करपुर कला थाना बरेसर से एक अदद 5 HP का दमकल इंजन व अभियुक्त हरेन्द्र कुमार उपरोक्त के पास एक अदद देशी तमंचा के साथ गिरफ्तार कर लिया। चारो अभियुक्तगणों के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 95/2022 धारा 41/411 भा.द.वि. व अभियुक्त हरेन्द्र कुमार उपरोक्त के विरुद्ध मु.अ.सं. 96/2022 धारा 3/25 A.Act पंजीकृत कराया गया तथा एक अदद बोलेरो नं. UP75F4667 अन्तर्गत धारा 207 MV ACT मे सीज कर दिया गया।

मायावती ने पूर्व मंत्री नकुल दुबे को किया पार्टी से बाहर

लखनऊ। बसपा चीफ मायावती ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते पूर्व मंत्री नकुल दुबे को पार्टी से बाहर कर दिया है। इस एक्शन पर मायावती ने ट्वीट कर कहा है कि नकुल दुबे को पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहने के कारण निष्कासित किया गया है। उन्होंने कहा, नकुल दुबे (लखनऊ) बीएसपी पूर्व मंत्री को पार्टी में अनुशासनहीनता अपनाने व पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण, इनको बीएसपी से निष्कासित कर दिया गया है। वहीं नकुल दुबे का कहना है कि उन्हें भी निष्कासन की जानकारी मिली है। पर इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। बसपा सुप्रीमो विधानसभा चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा कर रही हैं। नकुल दुबे को प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन की तैयारियों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। आरोप है कि विधानसभा चुनाव में गलत फीडबैक देने के चलते उन्हें पार्टी से बाहर किया गया है।

सरगुजा में कोयला खनन का विरोध कर रहे ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में पुलिस ने कोयला खनन परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल दस ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सरगुजा जिले के पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने साल्ही गांव के करीब खनन करने वाली कंपनी के सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इसके बाद पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परियोजना स्थल पर तैनात सुरक्षा कंपनी के अधिकारी अनुपम दत्ता ने पुलिस में शिकायत की है कि शुक्रवार दोपहर एक रैली के रूप में लगभग 250 लोग परियोजना स्थल पर पहुंचे और वहां तोड़फोड़ की। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारीधारदार और पारंपरिक हथियारों से लैस थे। उन्होंने लगभग 10 लाख रुपए मूल्य के जनरेटर और अस्थायी टिन शेड सहित कंपनी की संपत्तियों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी? वहां काम करने वाले कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया, उन्हें धमकाया और उनकी पिटाई भी की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत रामलाल करियम, बालसाय, मुनेश्वर पोर्ते, जगरनाथ बड़ा, अंतरम, आनंद कुसरो, धरम मारपच्ची, पवन कुसरो, नंदा कुसरो, कृष्ण कुसरो और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने बताया कि अभी इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मामले की जांच की जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में सरगुजा और सूरजपुर जिले में स्थित परसा खनन परियोजना के लिए 841.538 हेक्टेयर वन भूमि के गैर-वानिकी उपयोग के लिए अपनी अंतिम मंजूरी दे दी है। खदान का आवंटन राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेडको किया गया है।

आजम के करीबी राफे राना ने खोला अखिलेश के खिलाफ मोर्चा

रायबरेली। आजम खान के समर्थकों के बाद शायर मुन्नवर राणा के भाई राफे राना ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि अगर आजम खान की जगह मुलायम सिंह जेल में होते तो क्या अखिलेश यादव ऐसे ही चुप बैठे रहते। उन्होंने मुलायम सिंह की राजनीति को सही ठहराते हुए अखिलेश यादव पर मुसलमानों के लिए कुछ भी नहीं किये जाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि 2022 चुनाव में 99 प्रतिशत मुसलमानों ने उन्हें वोट दिया और उनकी 95 फीसद सीटें मुस्लिम वोटों की बदौलत आई, लेकिन वह वोट बैंक की खातिर मुसलमानों से दूरी बनाए रहे। अंत में उन्होंने कहा कि अभी भी वक्त है, अखिलेश यादव संभल जाएं वरना उनका हाल भी बसपा अध्यक्ष मायावती जैसा ही होगा। इतना ही नहीं राफे राना सीएम योगी के सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद आजम खान को जेल से बाहर नहीं देखना चाहते वाले बयान पर सहमति जताई।

दो माह से सड़क पर बह रहा है नाले का गंदा पानी, जिम्मेदार खामोश

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। रेल लाइन दोहरीकरण की भेंट चढ़ चुकी नगर की दीदारगंज मार्ग की जलनिकासी नाला अब लोगों की परेशानी का कारण बन गया है। नगर का निकला गंदा पानी लोगों के चौखट तक पैर पसार रहा है। कासिमपुर वार्ड के

वार्ड के लोग ईओ और चैयरमैन दफ़्तर का लगा चुके है चक्कर, नही निकल रहा है समस्या का हल

स्टेशन गली के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित है। हालाकि नगर पंचायत ने वैकल्पिक पाइप लगाकर अन्य तरफ ले जाने की कवायद फेल साबित हो रही है। ईओ द्वारा जिलाधिकारी को पत्र लिखकर नाले का पुनः बनाने की मांग अब भगवान भरोसे है। वार्ड के लोग चेयरमैन की उदासीनता बताकर कोस रहे है। अब तो सटेशन गली मार्ग से पैदल चलना भी मुश्किल है। सबसे ज्यादा रमजान महीने में गुजर रहे रोजेदार और स्कूल जाने वाले बच्चों को उठानी पड़ती है,पल भर में गंदा पानी की छींटे से कपड़ा खराब हो जा रहा है।

दर असल नगर के दीदारगंज मार्ग पर नाले का पानी रेलवे क्रॉसिंग भू भाग पर गिर रहा था। दोहरीकरण के चलते विभाग ने नाले के स्थान को पाटकर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जिसे मुख्यमार्ग,पोस्टऑफिस वार्ड और

कासिमपुर वार्ड से जुड़े घरों का पानी का निवासी अवरुद्ध हो गया है। अब पानी सड़क के किनारे इधर उधर जलभराव हो रहा है जिसे से प्रदूषित पानी से बीमारी फैलने की आशंका प्रबल हो गई है। पूरे दो माह से कस्बे के लोग नगर पंचायत प्रशासन की तरफ उम्मीद भरी निगाहें लगाई हुई है वही नगर पंचायत प्रशासन ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर पुनः नाली बनाने के लिए बजट मांगा है। ईओ ने पत्राचार कर अपनी इतिश्री ले ली। अब यह बताने वाला कोई नही है कि उनकी समस्या का निस्तारण कब होगा? उधर पूरे दो माह से समस्या का निस्तारण न होने से कस्बे के लोगों में खासा आक्रोश है। राशिद खान , साहिल सोनी ,राहुल सोनी ,आमिर अहमद, राहुल कुमार समेत तमाम सैकड़ों लोग अधिशासी अधिकारी से लेकर नगर पंचायत चेयरमैन व सभासद से शिकायत की लेकिन समस्या जसकी तस है। अब सड़क पर इकठ्ठा गन्दा पानी संक्रमित रोग फैलने से इनकार नही किया जा सकता है। इस बाबत ईओ अमित कुमार से प्रतिनिधि ने उनका पक्ष जानने के लिए फोन मिलाया तो उनका फोन नही उठा।

मंत्री का आदेश भी ईओ पर नही पड़ा असर- खेतासराय (जौनपुर) पानी की निकासी की समस्या के बाबत भाजपा के वरिष्ठ नेता व उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संजय विश्वकर्मा कहते है कि बीते अप्रैल हमलोगों का प्रतिनिधिमंडल ने राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव से शिकायत किया तो उन्होंने तत्काल ईओ अमित कुमार से मामले को देखने को कहा ,ईओ ने आचार संहिता का हवाला देकर हाथ खड़े कर लिए तब राज्यमंत्री ने वैकल्पिक कच्ची नाली जेसीबी से कराए जाने का आदेश दिया लेकिन उनका भी आदेश तो ताक पर रख दिया अब पुनः दो से तीन दिन के अंदर राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार से मिलकर समस्या का हल निकालने के लिए पत्रक दिया जाएगा।

संपूर्ण समाधान दिवस पर 38 शिकायतों में से दो का हुआ निस्तारण

मऊ। जनपद मऊ के सभी तहसीलों पर शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस/तहसील दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अरुण कुमार व पुलिस अधीक्षक सुशील घुले के नेतृत्व में आज जनपद के मोहम्मदाबाद गोहना तहसील में प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस आयोजन में जनपद स्तरीय सभी अधिकारी उपस्थित थे। आज आए कुल 38 शिकायतों में से 2 का तत्काल निस्तारण कर दिया गया, साथ ही 10 शिकायतों के तत्काल निस्तारण हेतु टीमें गठित कर मौके पर भेजा गया। शेष सभी शिकायतों को संबंधित विभागाध्यक्ष को इस निर्देश के साथ सौंपा गया कि इनका समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण अवश्य कर दें, जिससे शिकायतकर्ता को अपनी शिकायत को लेकर जनपद के बाहर न

भटकना पड़े।आज आए कुल शिकायतों में सर्वाधिक 17 मामले राजस्व विभाग से संबंधित थे, शेष अन्य विभागों से। इस दौरान जिलाधिकारी अरुण कुमार ने सभी उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी स्वयं समाधान दिवस पर समय से पहुंचे, अपने किसी प्रतिनिधि को ना भेजें। जिस विभाग से संबंधित शिकायत हो उसका समय से गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण कर दें ताकि शिकायतकर्ता को बार-बार भटकना न पड़े। शिकायतों का निस्तारण करते समय इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि उसका पूर्णतः निस्तारण हो जाए जिससे शिकायतकर्ता को बार-बार दौड़ना न पड़े। इस दौरान सभी जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आईपीएल में पहली बार लगातार छह मैच हारा मुंबई

18 रन से जीता लखनऊ, 100वें मैच में शतक जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बने लोकेश राहुल

आईपीएल 2022 अंक तालिका

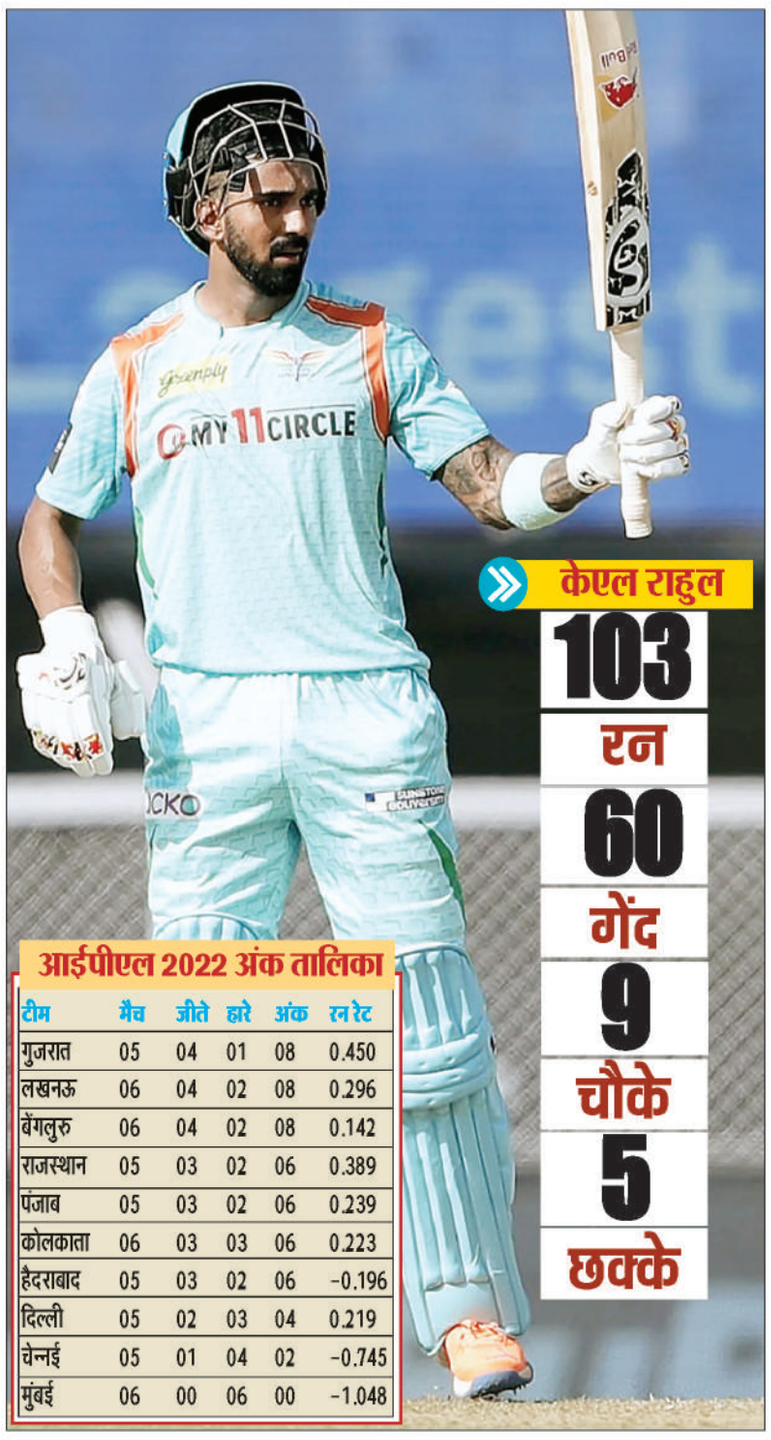

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	05	04	01	08	0.450
लखनऊ	06	04	02	08	0.296
बेंगलुरु	06	04	02	08	0.142
राजस्थान	05	03	02	06	0.389
पंजाब	05	03	02	06	0.239
कोलकाता	06	03	03	06	0.223
हैदराबाद	05	03	02	06	-0.196
दिल्ली	05	02	03	04	0.219
चेन्नई	05	01	04	02	-0.745
मुंबई	06	00	06	00	-1.048

मुंबई (एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच कप्तान लोकेश राहुल (नाबाद 103) के शानदार शतक की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुंबई इंडियंस को आईपीएल मुकाबले में शनिवार को 18 रन से हराकर लगातार छठी हार झेलने के लिए मजबूर कर दिया। मुंबई इंडियंस ने अपने अब तक के आईपीएल के इतिहास में सबसे शर्मनाक शुरुआत की है। मुंबई इंडियंस अब इस सीजन में लगातार छह मुकाबले हार चुकी है, जो कि 2014 की तुलना में भी खराब रिकॉर्ड है। मुंबई ने 2014 में अपने पहले पांच मुकाबले हारे थे। यह सभी मुकाबले मुंबई ने यूएई में खेले थे। लेकिन इस सीजन में मुंबई के लिए पनघट की डगर अब लगभग नामुमकिन नजर आ रही है।

लखनऊ ने 20 ओवर में चार विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर बनाया और मुंबई को नौ विकेट पर 181 रन पर थामकर छह मैचों में चौथी जीत हासिल की और दूसरे नंबर पर पहुंच गए। मुंबई की खराब फॉर्म इस मैच में भी बरकरार रही और कप्तान रोहित शर्मा के सस्ते में आउट होने के बाद टीम मुकाबले में खड़ी नहीं हो पायी। राहुल ने 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर थर्डमैन पर चौका मारकर अपना शतक पूरा किया। राहुल अपने 100वें मैच में शतक जड़ने वाले आईपीएल के पहले बल्लेबाज बने। इससे पहले 100वें मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड फाफ डुप्लेसी के नाम था। जिन्होंने कोलकाता के खिलाफ 86 रन बनाए थे। राहुल ने डी कॉक के साथ ओपनिंग साझेदारी में 52 रन जोड़े जबकि मनीष पांडेय के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी की। राहुल ने स्टॉयनिस के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन और हुड्डा के साथ चौथे विकेट के लिए 43 रन जोड़े। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पांच बार के चैंपियन मुंबई ने रोहित को 16 के स्कोर पर गंवाया। आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी ईशान किशन 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 31 रन, सूर्यकुमार यादव ने 37, तिलक वर्मा ने 26 और कीरोन पोलार्ड ने 14 गेंदों में 25 रन बनाए। लखनऊ की तरफ से तेज गेंदबाज आवेश खान ने चार ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट झटके जिसमें रोहित का विकेट भी शामिल था। आवेश ने डेवाल्ड ब्रेविस और फेबियन एलेन के विकेट भी झटके।

इस सीजन शतक जड़ने वाले दूसरे खिलाड़ी राहुल

कप्तान लोकेश राहुल ने अपने आईपीएल करियर का तीसरा शतक जड़ दिया है और इस सीजन का अपना पहला शतक लगाया है। यह उनके टी-20 करियर का पांचवां शतक है। वह इस सीजन शतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर ने शतक लगाया था। यह उनके आईपीएल करियर का तीसरा और मुंबई इंडियंस के खिलाफ दूसरा शतक है। बतौर कप्तान केएल राहुल का यह दूसरा शतक है। बतौर कप्तान सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। हालांकि अब वह बतौर बल्लेबाज खेल रहे हैं। वह मुंबई के खिलाफ 5 अर्धशतक भी जमा चुके हैं। अब 100 मैच के बाद राहुल के आईपीएल में 3508 रन हो गए हैं। गेल 100 आईपीएल मैचों में 3578 रन बनाकर टॉप पर हैं। तीसरे नंबर पर 3304 रन के साथ वॉर्नर हैं।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
लोकेश राहुल नाबाद	103	60	9/5
डिकॉक पगबाधा ऐलेन	24	13	4/1
मनीष पांडे बो. मुरुगन	38	29	6/0
स्टॉयनिस कै. रोहित बो उनादकट	10	09	0/1
हुड्डा कै. किशन बो. उनादकट	15	08	1/1
क्रुणाल पंड्या नाबाद	01	01	1/0

अतिरिक्तः 8 कुलः 20 ओवर में चार विकेट पर 199 रन **विकेट पतनः** 1-52, 2-124, 3-155, 4-198, **गेंदबाजीः** तिलक वर्मा 1-0-7-0, जयदेव उनादकट 4-0-32-2, मुरुगन 4-0-33-1, बुमराह 4-0-24-0, टिमाल मिल्स 3-0-54-0, फेबियन ऐलेन 4-0-46-1,

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4/6
ईशान किशन बो. स्टॉयनिस	13	17	2/0
रोहित शर्मा कै. डिकॉक बो. आवेश	06	07	1/0
ब्रेविस कै. हुड्डा बो. आवेश	31	13	6/1
सूर्यकुमार कै. गौतम बो. बिश्नोई	37	27	3/0
तिलक वर्मा बो. होल्डर	26	26	2/0
पोलार्ड कै. स्टॉयनिस बो. चमीरा	25	14	1/2
ऐलेन कै. चमीरा बो. आवेश	08	07	1/0
जयदेव उनादकट रन आउट	14	06	2/1
मुरुगन अश्विन रन आउट	06	02	0/1
जसप्रीत बुमराह नाबाद	00	00	0/0
टिमाल मिल्स नाबाद	00	01	0/0

अतिरिक्तः 15, कुलः 20 ओवर में नौ विकेट पर 181 रन **विकेट पतनः** 1-16, 2-57, 3-57, 4-121, 5-127, 6-153, 7-175, 8-181, 9-181 **गेंदबाजीः** जेसन होल्डर 4-0-34-1, दुश्मांता चमीरा 4-0-48-1, आवेश खान 4-0-30-3, रवि बिश्नोई, 4-0-34-1, मार्कस स्टॉयनिस 2-0-13-1, क्रुणाल पंड्या 2-0-16-0,

आज के मुकाबले

दोप. 3:30 बजे
पंजाब किंग्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद

शाम. 7:30 बजे
गुजरात टाइटंस बनाम चेन्नई सुपर किंग्स

15वें सीजन में राहुल का प्रदर्शन

मैच	रन
पहला मैच	शून्य
दूसरा मैच	40
तीसरा मैच	68
चौथा मैच	24
पांचवां मैच	शून्य
छठवां मैच	103*

दिनेश कार्तिक की तूफानी पारी से बेंगलुरु की चौथी जीत

दिल्ली को 16 रन से हराया, हेजलवुड ने झटके तीन विकेट

मुंबई। फॉर्म में चल रहे मैन ऑफ द मैच दिनेश कार्तिक (नाबाद 66) और आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल (55) के शानदार अर्धशतकों और तेज गेंदबाजों जोश हेजलवुड (28 रन पर तीन विकेट) और मोहम्मद सिराज (31 रन पर दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को शनिवार को आईपीएल मुकाबले में 16 रन से हरा दिया। बेंगलुरु ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 189 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और दिल्ली को सात विकेट पर 173 रन पर रोक दिया। बेंगलुरु ने इस तरह छह मैचों में चौथी जीत हासिल की जबकि दिल्ली ने पांच मैचों में तीसरी हार का सामना किया। बेंगलुरु अब आठ अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर आ गयी है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए पृथ्वी शॉ 13 गेंदों में 16 रन बनाकर मोहम्मद सिराज का शिकार बने। डेविड वार्नर ने विकेटों के गिरने के बीच 38 गेंदों पर 66 रन में चार चौके और पांच छक्के लगाए। कप्तान ऋषभ पंत ने 17 गेंदों पर 34 रन में तीन चौके और दो छक्के लगाए। पंत को सिराज की गेंद पर विराट कोहली ने हवा में उछलते हुए एक हाथ से लपका। पंत का विकेट 142 के स्कोर पर गिरा। इससे पहले मिचेल मार्श 24 गेंदों पर 14 रन बनाकर नॉन स्ट्राइकर छोर पर रन आउट हुए। शार्दुल ठाकुर दो छक्कों के सहारे 17 रन बनाकर जोश हेजलवुड का शिकार बने। दिल्ली ने सातवां विकेट 156 के स्कोर पर गंवाया। अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने नाबाद 10-10 रन बनाये लेकिन दिल्ली लक्ष्य से दूर रह गयी। इससे पहले कार्तिक ने 34 गेंदों पर नाबाद 66 रन में पांच चौके और पांच छक्के लगाए जबकि मैक्सवेल ने 34 गेंदों पर 55 रन में सात चौके और दो छक्के लगाए। शाहबाज अहमद ने 21 गेंदों पर नाबाद 32 रन में तीन चौके और एक छक्का लगाया। मैक्सवेल का विकेट 92 के स्कोर पर गिरने के बाद कार्तिक और शाहबाज ने छठे विकेट की अविजित साझेदारी में 97 रन जोड़े । दिल्ली की तरफ से शार्दुल ठाकुर, खलील अहमद, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने एक-एक विकेट लिया। आरसीबी के लिए क्या शानदार मैच था यह, उन्होंने आज काउंटर अटैक की एक मजबूत परिभाषा गढ़ी । पहली पारी में ऐसा लग रहा था कि आरसीबी की टीम सम्मानजनक स्कोर तक भी नहीं पहुंच पाएगी और फिर आगमन होता है फ़िनिशर कार्तिक का और वह टीम को एक विशाल स्कोर तक लेकर जाते हैं। इसके बाद उनकी टीम गेंदबाज़ी करनी उतरी तो उनके गेंदबाज़ों ने दिल्ली को कोई मौका नहीं दिया। वॉर्नर की पारी देख कर एक बार के लिए ऐसा लगा कि दिल्ली की टीम लक्ष्य तक पहुंच सकती है लेकिन ऐसा नहीं हुआ और टीम लक्ष्य से काफी दूर रह गयी।

साजन प्रकाश ने दानिश ओपन में जीता स्वर्ण

वेदांत माधवन को मिला रजत पदक

नई दिल्ली। शीर्ष भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने डेनमार्क के कोपेनहेगन में दानिश ओपन तैराकी प्रतियोगिता में पुरूष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर सत्र की जीत से शुरूआत की। इस साल अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे प्रकाश ने 1.59.27 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया।

वहीं युवा वेदांत माधवन ने भी सकारात्मक शुरूआत करते हुए अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सुधार किया और पुरूष 1500 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इससे पहले केरल के इस तैराक ने हीट में 2.03.67 सेकेंड का समय निकालकर ए फाइनल के लिए क्वॉलीफाई किया। दो बार के ओलंपियन प्रकाश ने कहा, इस महीने हमारे कुछ टूर्नामेंट हैं। हम धीरे धीरे राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिये शीर्ष पर आने की कोशिश करेंगे। भारतीय अभिनेता आर माधवन के बेटे वेदांत ने 10 तैराकों के फाइनल में 15.57.86 सेकेंड के समय से दूसरा स्थान हासिल किया। सोलह साल के इस खिलाड़ी ने मार्च 2021 में लातविया ओपन में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने पिछले साल जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैम्पियनशिप में भी प्रभावित करते हुए सात पदक (चार रजत और तीन कांस्य) जीते थे।

महिला हॉकी अकादमी ने जीता जूनियर नेशनल का खिताब

साई अकादमी को 2-1 से हराया

भोपाल। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में आयोजित दूसरी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर वूमेन अकादमी चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य महिला हॉकी अकादमी ने साई अकादमी को 2-1 से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया।

प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने म.प्र. राज्य महिला हॉकी अकादमी की खिलाड़ियों को अकादमी जूनियर नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप जीतने पर पूरी टीम एवं स्पोर्टिंग स्टॉफ को बधाई दी। फाइनल मुकाबले के पहले और दूसरे क्वॉर्टर में दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। मैच के तीसरे क्वॉर्टर के 34वें मिनट में म.प्र. अकादमी की खिलाड़ी भूमिक्षा साहू ने फील्ड गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। मैच के 43वें मिनट में म.प्र. अकादमी की खिलाड़ी ऋतिका सिंह ने पेनॉल्टी कार्नर से गोल कर टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई। मैच के चौथे क्वॉर्टर के 54वें मिनट में साई अकादमी की खिलाड़ी प्रिनी कांदिर ने फील्ड गोल कर अपनी टीम को 2-1 पर पहुंचा दिया।

बिली जीन किंग कपः भारत ने न्यूजीलैंड को 2-1 से हराया

अंकिता रैना व रुतुजा ने जीते एकल मुकाबले

तुर्की। भारतीय महिला टेनिस टीम ने अपने चौथे बिली जीन किंग कप 2022 एशिया/ओशिनिया ग्रुप वन के मुकाबले में न्यूजीलैंड को 2-1 से हरा दिया और अगले साल के लिए ग्रुप दो से बाहर होने से खुद को बचा लिया।

महिला एकल में भारत की नंबर एक खिलाड़ी अंकिता रैना और रुतुजा भोसले ने अपने-अपने एकल मुकाबले जीते, लेकिन रिया भाटिया और सौम्या बाविसेट्टी एमटीए टेनिस अकादमी के क्ले कोर्ट पर अपना युगल मैच हार गईं। दुनिया में 477वें स्थान पर काबिज 26 वर्षीय भोसले ने दुनिया के 1342वें नंबर के खिलाड़ी वेलेंटीना इवानोव के खिलाफ पहला एकल मैच खेला और पहला सेट पक्का कर लिया। भारतीय को दूसरे सेट में कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा लेकिन अंततः शुक्रवार को एक घंटे 20 मिनट में तक चले मैच में 6-1, 7(7)-6(3) से जीत लिया। इस बीच, 319वें स्थान पर रहीं अंकिता रैना को पहले सेट में कड़ा संघर्ष करना पड़ा और अगले सेट में उन्होंने कीवी नंबर एक पेज ऑवरिगन के खिलाफ एक घंटे 34 मिनट तक चले मुकाबले में 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। हालांकि, सौम्या बाविसेट्टी और रिया भाटिया की भारतीय महिला युगल टीम एक बार फिर लड़खड़ा गई और एक घंटे और 3 मिनट तक चले मैच में पैगे ऑवरिगन और एरिन रूटलिफ से 2-6, 0-6 से हार गई। भारत अपना अंतिम मुकाबला दक्षिण कोरिया से खेलेगा। हालांकि, इंडोनेशिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार जीत के साथ, उन्होंने पहले ही छह टीमों के पूल में तीसरा या चौथा स्थान हासिल कर लिया है। भारतीय महिला टेनिस टीम अपने शुरुआती दो मैचों में जापान और चीन से हार गई थी।

सेलर रीतिका दांगी ने जीता स्वर्ण पदक

भोपाल। इटली के मालसेसिन, गार्डा में आयोजित प्स्ब। यूथ ईस्टर मीटिंग 2022 चैम्पियनशिप के लेजर 4.7 आईएलसीए-4 में अकादमी की सेलर रीतिका दांगी ने स्वर्ण पदक अर्जित किया।इस स्पर्धा में विभिन्न देशों की 148 बालिका प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। अकादमी की सेलर नेहा को 34वां स्थान हासिल हुआ।उल्लेखनीय है कि म.प्र. राज्य सेलिंग अकादमी की खिलाड़ियो को एशियन गेम्स की तैयारी के लिए एक्सपोजर टूर पर इटली भेजा गया है। खिलाड़ी लगातार एशियन गेम्स के क्वालिफिकेशन के लिए कड़ी मेहनत कर रहे है।

सीनियर पुरुष हॉकी चैम्पियनशिपः हरियाणा और तमिलनाडु के बीच होगा फाइनल मुकाबला

भोपाल। हॉकी इंडिया तथा खेल और युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हॉकी चैम्पियनशिप-2022 प्रतियोगिता के अंतर्गत सेमी फाइनल में मुकाबले खेले गए। पहला सेमी फाइनल मुकाबला हरियाणा और महाराष्ट्र के बीच खेला गया। इस मुकाबले में हरियाणा ने महाराष्ट्र को 5-2 से पराजित किया। हॉकी हरियाणा के लिए दीपक (21, 50), दीपक (12), रवि (27) और पंकज (45) ने गोल किए। वही हॉकी महाराष्ट्र के लिए कप्तान तालेब शाह (24, 52) ने दो गोल किए, लेकिन अंत में हॉकी हरियाणा ने फाइनल में जगह पक्की कर ली। दूसरे सेमीफाइनल में तमिलनाडु की हॉकी यूनिट ने हॉकी कर्नाटक को 3-0 से मात दी। गोल रहित पहले हाफ के बाद, जे. जोशुआ बेनेडिक्ट वेस्ली (44), सुंदरपंडी (50) और सरवण कुमार (54) ने गोल के साथ जीत हासिल की, क्योंकि उनके लक्ष्यों ने तमिलनाडु की हॉकी इकाई के लिए शीर्ष पर विजयी वापसी की।

घुम्मकड़ है आपका अंदाज और सैर-सपाटे के हैं शौकीन तो सिक्किम की इन जगहों पर जाना न भूलें

भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित सिक्किम शहर अपने भव्य पहाड़ों, सुंदर झरनों और दर्शनीय मठों के लिए मशहूर है। यह एक छोटा सा खूबसूरत शहर है, जहाँ देश-विदेश से सैलानी घूमने आते हैं। सिक्किम में बहुत से प्रमुख पर्यटन स्थल हैं जो यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर आप छुट्टियों में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सिक्किम जा सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको सिक्किम के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में बताएंगे -

लाचुंग- इस खूबसूरत पहाड़ के गाँव में सेब के बाग हैं और यहाँ 19वीं सदी का लाचुंग मठ भी है। लाचुंग का मुख्य आकर्षण युमथांग घाटी या फूलों की घाटी है। यह घाटी अपने झरनों, नदियों, खिले हुए फूलों, घास के मैदानों, देवदार के घने जंगलों और चांदी के देवदार पहाड़ों से घिरे हिमालय के पहाड़ों के लिए प्रसिद्ध है। प्रकृति-प्रेमियों के लिए युमथांग घाटी, पृथ्वी पर किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

गुरुडोंगमार झील- उत्तरी सिक्किम में 17,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित, गुरुडोंगमार झील दुनिया की सबसे ऊंची झीलों की सूची में अपना नाम शामिल करती है। अपनी लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ यह झील धार्मिक महत्व भी प्रदान करती है क्योंकि इस झील के पानी को हीलिंग पावर माना जाता है। यह झील आपको कंचनजंगा का एक सुंदर दृश्य भी प्रदान करती है।

लाचेन- लाचेन, उत्तरी सिक्किम में स्थित है। यह शहर ज्यादा आबादी वाला नहीं है और यही वजह है कि यहां की प्राकृतिक सुंदरता अभी भी बरकरार है। यहाँ के प्रमुख आकर्षण गुरुडोंगमार झील, त्सो ल्हामो झील, और थांगू घाटी हैं।

त्सोगो लेक / चंगु लेक- यह पूर्वी सिक्किम में एक हिमाच्छादित झील है। यह सिक्किम के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। झील के अलावा, यहाँ आप ब्राह्मणी बत्तख, नीले और पीले रंग के फूल और विदेशी याक देख सकते हैं।

युक्सोम- युक्सोम, पश्चिम सिक्किम का एक ऐतिहासिक शहर है। यह एक ऐसी जगह है जहाँ आप ट्रेक कर सकते हैं। वहीं, अगर आप एकांत में कुछ समय बिताना चाहते हैं तो यहाँ आप प्रकृति की गोद में समय बिता सकते हैं। युक्सोम के अन्य आकर्षण करेंदों में नॉबुर्गंग पार्क, ताशी तेनका (प्राचीन शाही महल), डबडी मठ और कथोक वोडसलिन मठ शामिल हैं।

रवंगला- रावंगला एक पर्यटक शहर है जो गंगटोक और पेलिंग के बीच स्थित है। यहाँ के प्रसिद्ध बुद्ध पार्क में एक 130 फुट ऊंची गोल्डन बुद्ध की मूर्ति है। इस जगह पर अन्य मठ हैं जहां आप बौद्ध भिक्षुओं को उनकी प्रार्थना का जप करते हुए सुन सकते हैं। रवांगला से नामची तक, आप टेमी टी गार्डन पाएंगे, जो आपको ताजगी से भर देगा।

नवनिर्वाचित एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह को प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष राकेश सिंह ने अपने समर्थकों संग दी जीत की बधाई

प्रधानों को पेंशन दिया जाए आकस्मिक मौत पर रु. 5000000 प्रधान के परिवार को दिया जाए - राकेश कुमार सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। एमएलसी चुनाव में भारी मतों से जीत की बधाई श्री अन्नपूर्णा सिंह को राकेश कुमार सिंह जिला अध्यक्ष प्रधान संगठन की तरफ से गुलदस्ता देकर भेट किया और संगठन की तरफ से संगठन के साथी के साथ माला का गुच्छा एमएलसी महोदया को पहनाया गया साथ - साथ ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं संगठन की तरफ से दिया गया` जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने एमएलसी महोदया से कहा कि प्रधान संगठन सदैव आपके साथ रहा है आपके साथ रहेगा प्रधानों के हित की लड़ाई आप बराबर सदन में रखने का कार्य करें जैसे मानदेय 45000 किया जाए ग्राम सभा का बजट बढ़ाया जाय गांव सभा में 20 लाख तक का अधिकार हो आय जाति निवास ग्राम स्तर से बने प्रधानमंत्री आवास की सूची गांव सभा स्तर से लिया जाए मुख्यमंत्री आवास में सर्व जात को रखा जाए प्रधानों को पेंशन दिया जाए आकस्मिक मौत पर रु. 5000000 प्रधान के परिवार को

दिया जाए एक करोड़ का बिमा प्रधान का कार्यकाल तक किया जाए प्रधान को असलहा लाइसेंस की अनुमति दी जाए प्रधान को गनर सरकार की तरफ से दी जाए जिला अधिकारी महोदय जिले के प्रधान के साथ बैठक करके ही कोई निर्णय लिया करें गांव सभा में जो भी कर्मचारी आते हैं जैसे लेखपाल, सेक्रेटरी ,सफाई कर्मी, आंगनबाड़ी ,मास्टर बिना प्रधान के सिग्नेचर का वेतन न दिया जाए अन्य कार्रवाई संस्था गांव सभा में कार्य करने के पहले अनुमति गांव सभा से लेकर ही करने की अनुमति दी जाए` महामंत्री मधुबन यादव ने कहा कि गांव सभा में पुलिस प्रशासन कोई भी कार्रवाई करने के पहले ग्राम प्रधान से अनुमति लेने का कार्य करें जिला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने कहा कि प्रधानों के साथ लेखपाल सेक्रेटरी वीडियो द्वारा शोषण किया जाता है उसका तुरंत निदान होना चाहिए` जिला उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कर्मचारी मनमानी हो चुके हैं उनके ऊपर अंकुश लगाना जरूरी है गांव सभा स्तर से जिला उपाध्यक्ष बेचू राम चौहान ने कहा कि गांव सभा में नया हैंडपंप लगाने का अधिकार दिया जाए जिला सचिव केशव प्रसाद पटेल ने कहा कि गांव सभा में राशन कार्ड बढ़ाने के लिए अधिकार तत्काल लिया जाए` एमएलसी महोदया से सभी प्रधानों ने संगठन के साथ गांव में समस्याओं पर बात रखी और एम एल सी निधी का काम जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि आप द्वारा गाव सभा में जो भी कार्य दिया जाए जिला अध्यक्ष के माध्यम से ब्लॉक अध्यक्ष तक पहुंचाने का कार्य किया जाए। इस अवसर पर मुख्य रूप से संगठन के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह, जिला महामंत्री मधुबन यादव, जिला उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, बेचू राम चौहान, जिला सचिव केशव पटेल, सेवापुरी ब्लाक अध्यक्ष नितिन सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष लाल बहादुर पटेल ब्लॉक अध्यक्ष राम मूरत यादव ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश पटेल ब्लॉक ब्लॉक अध्यक्ष लाल बहादुर यादव प्रधान गुंजन सिंह, प्रधान गगन सिंह, प्रधान सोनू सिंह, प्रधान सुजीत सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष ओम प्रकाश वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष आराजी लाइन मुकेश पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष चिरईगांव लालमन पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष राम सूरत यादव, रामाश्रय मौर्या, रविंद्र कुमार, गणेश पटेल, राजकुमार राम, ओम प्रकाश यादव, विनोद बिंद घनश्याम यादव संजय यादव आदि लोग मौजूद रहे।

आम के पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

प्रखर ब्यूरो खानपुर/गाजीपुर। सैदपुर कोतवाली क्षेत्र के कोटिसा गांव में शनिवार की रात एक युवक ने आम के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। जानकारी के अनुसार कोटिसा गांव निवासी वकील यादव(42) रात में खाना खाकर अपने पिता गणेश यादव के साथ घर के बाहर पेड़ के नीचे सोया था। देर रात उसकी पत्नी उषा देवी ने घर के बाहर पेड़ पर रस्सी के सहारे अपने पति का लटकता शव देखकर जोर जोर से चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर परिवार के लोग जाग गये। जानकारी होते ही लोगों की भीड़ लग गई। रात में ही ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस गांव में पहुच गई। पुलिस ने लोगों की मदद से शव को नीचे उतरवाया और शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के भाई अवधेश यादव ने बताया कि वकील की मानसिक स्थिति ठीक नही था। उसका उपचार कराया जा रहा था। इस संबंध में सैदपुर कोतवाली प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि घटना की सूचना रात्रि में ही मिली थी और शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया गया है।

मुखवीर की सूचना पर दुराचारी को पुलिस ने दबोचा

प्रखर जखनियां। गाजीपुर। बहरियाबाद थाना क्षेत्रान्तर्गत दुराचार से सम्बन्धित अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम लारपुर की पीड़िता के साथ हुए दुराचार से सम्बन्धित अभियुक्त घटना के बाद से फरार था। पुलिस उसकी तलाश में लगी थी। मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष बहरियाबाद संदीप कुमार मय हमराह द्वारा पानी टंकी चौराहा से पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त पंकज कुमार पुत्र अमरदेव राम निवासी ग्राम लारपुर थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय के सुपुर्द किया गया।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष संदीप कुमार, आरक्षी दीपक सिंह व अरविन्द यादव शामिल रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चन्द्रशेखर जी के मन में देश के गरीबों, शोषितों और पीड़ितों के लिए गहरी पीड़ा थी- सपा जिलाध्यक्ष

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। देश के महान समाजवादी नेता, पूर्व प्रधानमंत्री, यूवा तुर्क के नाम से देश की राजनीति में विख्यात एवं भारतीय राजनीति के फक्कड़ कबीर स्व.चन्द्रशेखर की 95वीं जयंती पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामधारी यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि अर्पित किया और उनके बताए रास्ते पर चल कर देश की सत्ता पर काबिज साम्प्रदायिक ताकतों के खिलाफ संघर्ष करने एवं देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरुप की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रामधारी यादव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि वह एक ऐसे यूवा तुर्क नेता थे जिन्होंने दृढ़ता, ईमानदारी और साहस के साथ निहित स्वार्थ के खिलाफ लड़ाई

लड़ी। वह हमेशा व्यक्तिगत और सत्ता की राजनीति के खिलाफ रहे, उन्होंने हमेशा वैचारिक लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सामाजिक परिवर्तन की राजनीति का समर्थन किया। वह साहस और सत्य के प्रतीक थे। उनके मन में देश के गरीबों, शोषितों और पीड़ितों के लिए गहरी पीड़ा थी, जिसकी झलक उनके उद्बबोधन के दौरान अक्सर दिखती थी। उन्होंने देशवासियों से मिलने एवं उनकी प्रमुख समस्याओं को समझने के लिए कन्याकुमारी से नई दिल्ली तक 4260 किलोमीटर की पदयात्रा की थी। वह आजीवन साम्प्रदायिक ताकतों की मुखालफत करते रहे। वह बेबाक वक्ता थे, वह गुप्त से गुप्त बात भी सार्वजनिक कर दिया करते थे। उनका मानना था कि नेता की हर बात को जनता को जानना चाहिए क्योंकि नेता जनता की नुमाइंदगी करता है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रामधारी यादव के साथ सदानंद यादव, दिनेश यादव, कमला यादव, संतोष यादव, रत्न पाल, लड्डुन खां, गोपाल यादव, कन्हैयालाल विश्वकर्मा, रामनगीना यादव व अवधेश कुशवाहा आदि उपस्थित थे। गोष्ठी का संचालन जिला मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने किया।

ऊर्जा संरक्षण को लेकर साइकिल रैली साईक्लोथोन का आयोजन

प्रखर मिजार्पुर। जिले मे रविवार दिनांक 17.04.2022 को प्रातः 7:00 बजे से साईक्लोथोन-2022 (साइकल रैली) जो कि ऊर्जा संरक्षण के विषय पर आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम इंडियन ऑयल कापोर्रेशन लिमिटेड के सहयोग से ह्लहरित और स्वच्छ ऊर्जा अपनाएं, आजादी का अमृत महोत्सव मनाएह्व के स्लोगन के साथ बहुत धूम धाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय, श्री रमाशंकर सिंह पटेल जी विधायक मड़िहान (पूर्व ऊर्जा मंत्री व अतिरिक्त स्त्रोत राज्य मंत्री) उत्तरप्रदेश सरकार) मिजार्पुर, उत्तरप्रदेश एवं माननीय श्री मनोज श्रीवास्तव जी प्रदेश कार्य समिति सदस्य भाजपा उत्तर प्रदेश के कर कमलों द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आज की बचत और कल का उपयोग पर आधारित वर्तमान पीढी को ऊर्जा संरक्षण के लाभ व ऊर्जा बचत के तरीको के विषय मे जानकारी प्रदान की गयी तथा उनमे यह जागरूकता लाने का भी प्रयास किया गया जिससे उनके द्वारा वर्तमान मे किया गया प्रयास किस प्रकार उनके स्वास्थ्य तथा भविष्य मे उनकी आने

वाली पीढ़ियो के लिए हितकर होगी। इस कार्यक्रम का आयोजन जीआईसी महुवारिया मिजार्पुर के परिसर मे सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। जिसमे लगभग 300 छात्रों ने प्रतिभाग लिया। सभी प्रतिभागियों को इंडियन ऑयल के तरफ से एक टी- शर्ट एवं कैप दिया गया। इसके साथ ही साथ उ८ू'ङ्कइँङ्कल्ल रैली के पश्चात सभी प्रतिभागियों को लंच बॉक्स दिया गया। साइकल रैली मे उपस्थित सभी लोग एवं छात्रों से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वे अपने आस पास रहने वाले लोगों को भी ऊर्जा संरक्षण एवं स्वस्थ्य रहने के प्रति प्रेरित कर एक जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निभायंगे और भारतवर्ष को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का हर सार्थक प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में भाजपा नेता रविशंकर साहू मनोज दमकल मयंक गुप्ता जय कृष्ण गर्ग शिवेश साहू और अजय कुमार (सहायक प्रबन्धक, एलपीजी-एस) इंडियन ऑयल कापोर्रेशन लिमिटेड, मिजार्पुर, उत्तर प्रदेश एवं इंडियन ऑयल कापोर्रेशन लिमिटेड के सभी एलपीजी वितरकों के तरफ से उपस्थित सभी अतिथि गण, मीडियागण, छात्र एवं छात्राएं, पुलिस प्रशासन और सभी प्रशासनिक अधिकारियों को इस कार्यक्रम (साईक्लोथोन 2022- (सक्षम)) को सफल बनाने के लिए हृदय से धन्यवाद। संचालन वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र तिवारी ने किया

कार और बाइक की आमने सामने हुई जोरदार टक्कर, एक की मौत

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत कोतवाली के अंतर्गत औरी गांव के मरी माई के समीप शनिवार की देर रात बैगनार व बाइक की आमने सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई मौके पर ही बाइक सवार की मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार नरहन गांव निवासी बनवारी निषाद के घर रविवार को शादी पड़ी थी तो शनिवार की रात भत्तवान का भोज खाने के लिए राजकुमार यादव व अरविंद मौर्या अपने दोस्त के घर नरहन आ रहे थे कि जौनपुर से खुज्झी की तरफ तेज रफ्तार से आ रही बैगनार कार से आमने सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई।टक्कर इतना जोरदार था की कार व बाइक के परखच्चे उड़ गए टक्कर की आवाज सुनकर आस पास के ग्रामीण पहुंच घायल को उपचार हेतु सामुदायिक केंद्र केराकत भेजा जहां पहुंचने पर राजकुमार यादव उम्र 45वर्ष को डाक्टरों ने मृत्यु घोषित कर अरविंद मौर्या की हालत गंभीर देख ट्रामा सेन्टर वाराणसी रेफर कर दिया सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गई।

बाबा साहब के बारे में कुछ कहना सूर्य को दीपक दिखाने जैसा- क्षेत्राधिकारी शुभम तोदी

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम सेनापुर में शनिवार को देर रात आठ बजे भारतीय संविधान के शिल्पकार के 131वे जन्म दिवस समारोह एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य

अतिथि आये क्षेत्राधिकारी शुभम तोदी ने कहा कि परम श्रद्धेय बाबा साहब ने देश की तकदीर लिखने का कार्य किया। बाबा साहब के बारे में कुछ कहना सूर्य को दीपक दिखाने जैसा होगा। बाबा साहब का पूरा जीवन ही ग्रामीणों शोषितों और वंचितों के सशक्तिकरण है। शिक्षा की रोशनी में इस अंधकार से प्रकाश की ओर ले जा सकता है। वही कार्यक्रम में विशिष्ट रूप से आये उपनिरीक्षक विवेकानंद सिंह और जितेन्द्र बहादुर सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुये वर्तमान परिवेश में संविधान की उपयोगिता को आम जन के अधिकारो पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अरविन्द्र चौहान, पूर्व प्रधान रमेश कुमार, जिलाध्यक्ष भीम आर्मी रत्नेश कुमार, अनिल कुमार, शिक्षक योगेन्द्र कुमार, सर्वेश साँवरिया, रजनीश राज, प्रतिभा सुमन, धर्मेंद्र गुप्ता, सुभाष शमीर्ले, राजीव कुमार, दिलावर, मंजीत कुमार,रितेश व दीनदयाल समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आये तमाम क्षेत्रवासियों के प्रति आयोजक विनोद कुमार "पत्रकार" ने आभार व्यक्त किया। अध्यक्षता प्रधानाध्यापक अमरनाथ ने और संचालन अवनीश वर्मा "पत्रकार" ने किया।

शिक्षा का मंदिर या व्यापारिक प्रतिष्ठान! : खुलेआम विद्यालय परिसर से बेची जा रही हैं कॉपी, किताब, जूते, ड्रेस, टाई बेल्ट आदि

प्रखर शाहगंज(जौनपुर)। क्षेत्र में इस समय बच्चों को पढाई की रोशनी से रोशन करना कम आर्थिक हितों को साधना अधिक दिखाई पड़ता है।एक समय हुआ करता था ।जब अभिभावक बच्चों का स्कूल में दाखिला कराने के बाद किताब कॉपी आदि दुकानों पर रियायत कराके ले लेता था।और कम किताब कॉपी में ब्च्चे पढ़ लिख कर घर परिवार देश समाज का नाम रोशन करते थे।इस बात को अभिभावक लोग भली भांति जानते और उस दौर से गुजर भी चुके होंगे।मगर समय के साथ साथ सब कुछ बदल गया।आज कल के ब्च्चों ,नौनिहालों के पूरे शरीर का वजन और उनके बस्ते का वजन देख लीजिए तौल लीजिये।इसे बताने की शायद आवश्यकता नही है।प्रतिस्पर्धा के इस दौर में शिक्षा ग्रहण करना तो महंगा हुआ ही है।ऊपर से कॉपी किताब आदि के खर्चे आसमान छू रहे हैं।दूसरी बात लोगों का सरकारी स्कूलों से मोहभंग और इंग्लिश कान्वेंट स्कूलों के प्रति आकर्षण बढ़ता जा रहा है।जिस परिवार में मुश्किल से घर का खर्चा चलता हो ऐसे परिवार के लोग भी अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बड़ी परेशानियां झेलकर भी अपने बच्चों का दाखिला कान्वेंट स्कूलों में कराते हैं।

यही से खेल शुरू होता है।कुछ स्कूल इस दाखिले के सत्र में स्कूल को मानो एक व्यापारिक प्रतिष्ठान बनाकर बैठे हैं।जहां कॉपी किताबें,टाई बेल्ट, ड्रेस आदि जो कभी दुकानों पर मिलती थी अब वही सब कमीशनखोरी और मोटी कमाई के चक्कर मे नियम कायदे की धज्जियां उड़ाकर स्कूलों में मिलती है।जिससे कुछ स्कूल संचालक मोटी कमाई भी करते हैं।दूसरी सबसे अजीब बात ये है की अगर अभिभावक किसी स्कूल में अपने बच्चे का दाखिला कराया तो उसको कापी किताब ड्रेस आदि सब वहीं से ही लेना पड़ेगा क्योंकि कमीशन के इस भारी खेल में वो कॉपी किताब ड्रेस आदि कहीं और मिलेगा भी नही मजबूरी और बेहतर शिक्षा के ललक में अभिभावक भी न चाहते हुए भी वही सब करना पड़ता है जैसा कुछ स्कूल संचालक चाहते हैं।सब मिलाकर एक मध्यवर्गीय अभिभावक अपने ब्च्चों को स्कूल में दाखिला के बाद कर्ज के भारी भरकम बोझ तले दब कर रह जाता है और आह तक नही कह पाता आखिर सवाल उनके बच्चों के बेहतर भविष्य का जो रहता है। ऐसा भी नही है की सम्बन्धित विभाग को इस बात की जानकारी न हो।फिर भी शायद ही आपने कभी सुना हो की ऐसे स्कूलों के खिलाफ कार्यवाई होती हो।

विद्यालय परिसर से पाठ्य सामग्री बेचने पर होगी कार्यवाई-जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

शाहगंज(जौनपुर)। इस सम्बंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल ने कहा विद्यालय परिसर से कॉपी किताब टाई बेल्ट जूते ड्रेस आदि बेचने का कोई नियम नही है अगर कोई विद्यालय ऐसा करता है तो जाँच कर समुचित विभागीय कार्यवाई की जाएगी।एवं सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी को निदेशित किया जाएगा की ऐसे स्कूलों की जांच एवं निरीक्षण कर विभागीय नियमों के अनुरूप अगर कार्यवाई बनती है तो उसे प्रस्तावित करें।

खरवार समाज आज भी बेबसी और लाचारी का जीवन गुजार रहा है : वृंदावन खरवार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रादेशिक खरवार महासभा के तत्वाधान में आज दिन रविवार को जमानिया में एक अति आवश्यक बैठक किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व संरक्षक वृंदावन खरवार रहे।सर्वप्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नीलांबर पितांबर के तैलीय चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य वक्ता बिंद्रावन खरवार ने कहा कि खरवार जाति की शक्ति को मजबूत करने के लिए पंचायत से जिला स्तर तक लोगों को संगठित करना है। खरवार समाज आज भी बेबसी और लाचारी का जीवन गुजार रहा हैं। किंतु शासन-प्रशासन द्वारा हमें जाति प्रमाण पत्र न देकर हमारी अपेक्षा किया जा रहा है। जिसे हम कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे सरकार द्वारा जनजाति के लिए दिए जाने वाली

योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाने से खरवार उस योजना से वंचित होता नजर आ रहा है। सभा को संबोधित करते हुए त्रिवेणी प्रसाद खरवार ने कहा कि अनुसूचित जनजाति के प्रमाण पत्र पर खरवार समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। समाज के लोगों को महापुरूषों से प्रेरणा लेकर उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। इसको लेकर प्रादेशिक खरवार महासभा के लोगों में भारी आक्रोश है। कार्यक्रम की अध्यक्षता तेजू प्रसाद खरवार व संचालन गुप्तेश्वर खरवार ने किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जनजाति मोर्चा विनोद खरवार, तेज बहादुर खरवार, दिनेश खरवार, दीनानाथ खरवार, अभिषेक खरवार, अमरदेव खरवार, त्रिवेणी प्रसाद तथा सैकड़ों की संख्या में प्रादेशिक खरवार महासभा के लोग उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के संयोजक त्रिवेणी प्रसाद ने आए हुए सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

टोल प्लाजा पर 25 अप्रैल को होने वाले धरना प्रदर्शन को लेकर भाकियू ने की बैठक

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के मध्य में लगे टोल प्लाजा पर क्षेत्रीय लोगों के लिए छूट देने के बारे में किए गए वादाखिलाफी की संबंध में प्रस्तावित 25 अप्रैल के धरना प्रदर्शन को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने नगर स्थित सदानंद यादव के लान में बनाई रणनीति जिसकी अध्यक्षता नंदलाल भारती ने की और संचालन राम सिंगार सिंह ने किया 1. बनस्थली महाविद्यालय के पास रत्न 5 पर बने नए टोल को हटाये जाने,20` के दायरे मे क्षेत्रीय लोगों का पास बनाए जानें, व माह के रीचार्ज को 30दिन तक लागू किए जाने के संदर्भ में 28मार्च 2022को किसान पंचायत मे एसडीएम चुनार,ङ्क चुनार, टोल अधिकारी और किसानो के बीच तय हुआ था की 1अप्रैल से 20`के दायरे फ्री पास बनेगा, इसके बाद टोल प्रशासन वादे से मुकर रहा है जिसको लेकर 25 अप्रैल 2022 को पुन पंचायत रखी गई है जिसमें अगर समाधान नहीं निकलता है तो किसान धरना प्रदर्शन व अनिश्चितकालीन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा इसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। जिसमें निम्न लोग उपस्थित रहे ,प्रह्लाद सिंह प्रदेश सचिव सिद्धनाथ सिंह प्रदेश सचिव, अनिल सिंह मंडल अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी जिला अध्यक्ष , राजेश कुमार सिंह युवा जिलाध्यक्ष, राम श्रृंगार सिंह जिला सचिव ,धर्मेंद्र सिंह तहसील अध्यक्ष ,छन्नू सिंह प्रचार मंत्री, रामवृक्ष सिंह ब्लॉक अध्यक्ष नारायनपुर, सदानंद यादव, राजू जायसवाल, रामराज बिंद श्रीपत सिंह , हरगेन सिंह , पप्पू मिश्रा, रामविलास चुल्लहन, सुरेंद्र सिंह, रामबिलाश सिंह,।

अखिल भारतीय चित्रांश महासभा ने मनाया प्राकट्य उत्सव

प्रखर मिजार्पुर। परलौकिक न्यायाधिपति, धर्महरि कुलाधिदेव, सम्पूर्ण सृष्टि के कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज के प्राकट्य दिवस पर अखिल भारतीय चित्रांश महासभा द्वारा बरिया घाट स्थित 120 वर्ष प्राचीन श्री चित्रगुप्त मंदिर पर भगवान की विशेष आरती - पूजन का आयोजन किया गया।इस अवसर पर चित्रांश महासभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. शक्ति श्रीवास्तव ने कहा कि देश रूपी शरीर का मष्तिष्क कहे जाने वाले शत - प्रतिशत साक्षर कौम कायस्थ समाज का यह दायित्व बनता है कि वह समाज के हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठता साबित करते अपनी प्रतिभा व क्षमता का प्रदर्शन कर समाज के विकास में सहभागी बनें। इस अवसर पर मुख्य रूप से अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. शक्ति श्रीवास्तव, सुधांशु अस्थाना, सुशील श्रीवास्तव, मनोज चित्रांश, शिवम श्रीवास्तव, जगदीश श्रीवास्तव, सुधीर श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, विष्णु इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य आरोग्य मेला के दौरान हुआ मरीजों का इलाज

प्रखर अहरौरा (मीरजापुर)। छोटा मीरजापुर स्थित सीएचसी में मुख्य मंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। इस दौरान मौजूद चिकित्सको ने स्वास्थ कैंप लगाकर मरीजों का उपचार किया। आरोग्य मेला के दौरान टीवी,मलेरिया, कालाजार, फाइलेरिया, सहित अन्य बीमारियों का इलाज किया जाता है ।इस दौरान निःशुल्क इलाज के लिए गोल्डन कार्ड भी बनाया जाता है। आरोग्य मेला के दौरान बच्चो की पूर्ण टीकाकरण कार्य किए जाने का प्रावधान है, बच्चो को टीका लगा अभिभावकों को जागरूक किया गया। सीएचसी पर तैनात चिकित्सक डा राजवंश ने बताया कि रविवार की सुबह दस बजे से लेकर शाम चार बजे तक आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। इस दौरान पचास मरीजों का इलाज किया गया है।स्वास्थ्य आरोग्य मेला के आयोजन से स्थानीय मरीजों को काफी सहूलियत मिला है। इस दौरान डा संजीव गुप्ता, डा संजय, डा बृजेश शास्त्री,सुरेश, कन्हैया लाल, मोहन, कमलाकांत सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजद रहे।

जिला महिला अस्पताल में उपचार के दौरान प्रसूता की मौत

तीमारदारों का भारी हंगामा, तोड़फोड़ भी किया, पुलिस ने मामले को शांत कराया

प्रखर मिजार्पुर। कटरा कोतवाली क्षेत्र के डंगहर मोहल्ला निवासी प्रीतेश भारती की पत्नी रूबी गर्भवती थी। प्रसव पीड़ा होने पर दोपहर उसे महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर शाम उसकी हालत अचानक बिगड़ गई।जिला महिला अस्पताल से प्रसूता को मैटरनिटी विंग रेफर कर दिया। लेकिन वहां कोई उपचार नहीं हुआ जिस पर परिजनों ने जिला प्रशासन को अवगत कराया। आल्हा अधिकारी के निर्देश पर परिजन पुनः महिला अस्पताल लेकर प्रसूता को पहुंचे ।जहां से वाराणसी रेफर कर दिया गया। लेकिन लेकिन तब तक उसकी हालत बिगड़ चुकी थी और अस्पताल के बाहर ही प्रसूता ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया और हंगामा शुरू कर दिया।

मिस यूपी शिखा प्रजापति को उत्तर प्रदेशीय प्रजापति महासभा ने किया सम्मानित

प्रखर जौनपुर। कलेक्ट्रेट लाइन बाजार रोड स्थित प्रजापति पैलेस में उत्तर प्रदेशीय प्रजापति महासभा जौनपुर इकाई द्वारा शिखा प्रजापति मिस यू पी का सम्मान समारोह कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मिस यूपी को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी पी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति के हाथों सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि वाराणसी के रीजेंसी होटल में एक्ट्रेस श्रुति शर्मा ने शिखा प्रजापति को मिस यू पी का ताज पहनाया था।मिस यू पी चुने जाने पर प्रजापति समाज द्वारा कार्यक्रम आयोजित करके उनके साथ साथ जनपद की ही सनप्रिया प्रजापति के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डॉ निर्मला एस मौर्य द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान किए जाने तथा केराकत तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदंबा प्रसाद प्रजापति का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी पी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि एकमात्र शिक्षा ही ऐसा विकल्प है

जिसके द्वारा पूरे देश और समाज का सर्वांगीण विकास हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमेशा होने चाहिए ताकि प्रजापति समाज की राष्ट्र निर्माण में प्रगति के बारे में देश जान सके।मुख्य अतिथि द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर व डॉ रत्नप्पा कुम्भार की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण व बच्चियों द्वारा सरस्वती वंदना की शानदार प्रस्तुति के साथ किया गया। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण करके,पुष्पगुच्छ भेंट करके ,स्मृति चिन्ह भेंट करके व शाल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के प्रतिनिधि आशीष प्रजापति ने संगठन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम आयोजित होने से युवाओं में छिपी प्रतिभाओं को उभारने के अवसर का माहौल स्थापित होगा जिससे युवा वर्ग भी प्रोत्साहित होकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देकर प्रजापति समाज की सहभागिता सुनिश्चित करेगा। उन्होंने सरकार की तरफ से अपने समाज के लोगों के उत्थान के लिए हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए सुशीला देवी मेमोरियल हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ ज्ञानचंद प्रजापति ने अपने हृदय के उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षित होकर के ही हमारे देश का विकास हो सकता है।उन्होंने अपने समाज के युवाओं को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। मिस यू पी शिखा प्रजापति के साथ फोटो खिंचवाने और पुष्पगुच्छ, बुके भेंट करके फोटो खिंचवाने के लिए लोगों में होड़ मच गई।सम्मानित किए जाने पर वह भावविभोर हो उठीं।उन्होंने आए हुए अतिथियों व आगंतुकों के प्रति आभार जताया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण पर आयोजित प्रतियोगिता में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ निर्मला एस मौर्य द्वारा गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किए जाने पर सनप्रिया प्रजापति ने लड़कियों को प्रगति करने और महिला सशक्तिकरण पर बल दिया।उन्होंने कहा कि वह आईएएस बनकर राष्ट्र की सेवा करना चाहती हैं। संगठन के प्रांतीय महासचिव व संरक्षक हीरालाल आजाद ने समारोह में उपस्थित मंचासीन अतिथियों व पधारे हुए आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापन किया।बार एसोसिएशन केराकत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जगदंबा प्रसाद प्रजापति को सम्मानित किया गया इसके लिए उन्होंने सभी अतिथियों व उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम उपरांत उत्तर प्रदेशीय प्रजापति महासभा जौनपुर इकाई की कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से सुरेंद्र कुमार प्रजापति को जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया । नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष का कार्यकताओं व लोगों के द्वारा माल्यार्पण करके जोरदार स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के सदस्य अजीत प्रजापति,डॉ जागृति प्रजापति, मिस यू पी की मां सुमन प्रजापति,नीलम प्रजापति अधिवक्ता ,विजय प्रजापति, रमाशंकर प्रजापति आदि लोगों ने भी अपने विचार प्रकट किए।अध्यक्षता राजेंद्र प्रसाद प्रजापति ने किया। मौके पर योगेंद्र कुमार प्रजापति, डॉ आर के चित्रबंशी, संजय प्रजापति, मुकेश कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अन्तर्विद्यालयीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजयी छात्र पुरस्कृत

'सेण्ट के.सी. मेमोरियल इंग्लिश स्कूल में हुआ पुरस्कार वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सेण्ट के. सी. मेमोरियल इंग्लिश स्कूल, नेवादा, जाल्हूपुर, वाराणसी की ओर से विगत दिनों आयोजित अन्तविद्यालयीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का 17 अप्रैल रविवार को विद्यालय प्रांगण में पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसमें तीन वर्गों में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को अतिथियों ने क्रमशः कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन व साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया। इसके साथ ही 10 बच्चों को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। पुरस्कृत होने वाले छात्र छात्राओं में शिवांगी कक्षा नौ में प्रथम (एस.बी. एस.एस.) इण्टर कालेज सूरज कुण्ड वाराणसी ,सौम्या त्रिपाठी कक्षा दस में द्वितीय (एसटी.के .सी .मेमोरियल इंग्लिश स्कूल वाराणसी), शमिल पाण्डेय कक्षा दसवीं में तृतीय (सनबीम स्कूल वरूणा), अखिलेश यादव कक्षा बारहवीं में चतुर्थ (महाबोधि इन्टर कालेज), मनीष यादव कक्षा दसवीं में पंचम (एसटी. के. सी.मेमोरियल इंग्लिश

स्कूल), विशाल यादव कक्षा दसवीं में छठवां (विमल यादव इण्टर कालेज), भावना प्रजापति कक्षा नाइन में सातवीं (चिल्ड्रेन एकेडमी),भरत राय कक्षा ग्याहर में आठवीं (आर.एस. कान्वेनट स्कूल), प्रगति सिंह कक्षा नाइन में नौवीं (एसटी. के.सी. मेमोरियल इंग्लिश स्कूल), शिवम यादव कक्षा नाइन में दसवीं (एस.के .वी.इण्टर कालेज) शामिल रहे। इस अवसर पर विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी दिया गया। समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी रविशंकर सिंह तथा विशिष्ट अतिथि रोटरी के सहमण्डलाध्यक्ष अनूप नागर द्वारा संस्थापक स्व. कैलाशचन्द्र शर्मा व स्व. गायत्री शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह के प्रारम्भ में समृद्धि तिवारी ने गणेश चन्दना पर आकर्षक भाव नृत्य प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्रबन्धक रविनन्दन तिवारी ने धन्यवाद विद्यालय की निदेशिका तृप्ति तिवारी ने तथा कार्यक्रम का संचालन दीपमाला ने किया।

आशा एएनएम आंगनबाड़ी संचारी रोग नियंत्रण के प्रति निभा रही जिम्मेदारी

प्रखर महराजगंज/बृजमनगंज। जनपद मे 02 से 30 अप्रैल तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत सभी घर घर आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी द्वारा दस्तक देकर जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में सीएचसी बृजमनगंज बीसीपीएम विनोद कुमार ने बताया कि दस्तक अभियान भी शुरू हो गया है। इस दौरान आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर परिवार के लोगों से मलेरिया, टीबी, सर्दी, जुकाम व बुखार (आईएलआई व सारी) से संबंधित सवालों को पूछने के साथ ही कुपोषित बच?चों की भी जानकारी ले रही हैं। अगर किसी को बुखार के लक्षण हों तो आशा कार्यकर्ता से छिपाए नहीं, बल्कि खुल कर बताएं। बुखार का समय से पता चल जाने से जांच कर सही दिशा में इलाज हो सकता है। किसी में बीमारी के लक्षण मिलते है या कोई अति कुपोषित बच्चा मिलता है तो इसकी सूचना वह संबंधित ब्लाक के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को देंगी। संबंधित विभाग सूचना के आधार पर आगे की कार्यवाही करेगा।आशा रानी देवी ने बताया कि क्षेत्र के लोगों को जागरूक करने के लिए एएनएम शोभा देवी के साथ रैली निकाली गई और लोगों को जानकारी देते हुए बताया गया कि शौच के लिए हमेशा शौचालय का प्रयोग करें।खाने से पहले और शौच के बाद अपने हाथ साबुन से जरूर धोयें।पीने एवं खाना बनाने के लिए हमेशा इंडिया मार्का - हैंडपंप पाइप पेयजल योजना के पानी का ही प्रयोग करें। घरों के आसपास नालियों में गंदा पानी न जमा होने दे।अपने शरीर एवं अपने आसपास साफ सफाई रखें।मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें।प्रदुषित जल का प्रयोग न करें।

शैक्षिक महासंघ द्वारा आईयूसीटीई के प्रथम निदेशक को किया गया सम्मानित

पिण्डरा से मनोज कुमार सिंह व काशी विद्यापीठ से शिव प्रसाद पाण्डेय ब्लाक संयोजक नियुक्त, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविन्द्र जायसवाल थे मुख्य अतिथि

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शिक्षा के क्षेत्र में काशी को वैश्विक स्तर प्रदान करने की ड्रीम के तहत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय मे अंतर विश्वविद्यालयी अध्यापक शिक्षा केन्द्र (आईयूसीटीई) के पहले नव नियुक्त निदेशक प्रो प्रेम नारायण सिंह का सम्मान समारोह डा. घनश्याम सिंह महाविद्यालय में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविन्द्र जायसवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. हरिश्चन्द्र सिंह राठौर पूर्व कुलपति केन्द्रीय विश्वविद्यालय दक्षिणी बिहार गया द्वारा किया गया। इस समारोह मे उच्च शिक्षण संस्थान, माध्यमिक व बेसिक शिक्षा के शिक्षकों का विद्वत समूह उपस्थित रहा। सभी वर्ग समूह के शिक्षकों द्वारा प्रो पी एन सिंह का सम्मान किया गया। विजयेन्द्र नारायण सिंह द्वारा मोमेन्टो से सभी विशिष्ट जनों को सम्मानित किया गया है। यहां पर ही राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संवर्ग के जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया इसी के साथ ही प्राथमिक संवर्ग के जिलाध्यक्ष अमिताभ मिश्र द्वारा दो ब्लाक ईकाइयों का गठन करते हुए घोषित किया। पिण्डरा ब्लाक के संयोजक मनोज कुमार सिंह सैरागोपालपुर व काशी विद्यापीठ के संयोजक शिव प्रसाद पाण्डेय को नियुक्त किया गया। इस सम्मान

समारोह के स्वागतकार्ता नागेश्वर सिंह प्रबंधक डा. घनश्याम सिंह पीजी कालेज, संचालन श्वेता सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन अमिताभ मिश्रा के अतिरिक्त शैक्षिक महासंघ के संरक्षक डा. दीनानाथ सिंह सदस्य कार्यपरिषद, प्रो राजेन्द्र सिंह राज्य विश्वविद्यालय प्रयागराज उपस्थित रहे।

स्टीकर लगाकर बताया बीमारी से बचाव के उपाय

प्रखर कुशीनगर। विशेष संचारी रोग नियंत्रण माह एवं दस्तक पखवाड़ा के तहत आशा कार्यकर्ता विकलिस फातिमा संग आशा संगिनी पूनम भारती ग्राम पंचायत पिपरा कनक (मठिया) शनिवार को पहुँची। उनके द्वारा लोगों के घरों का दरवाजा खटखटाया गया और स्टीकर चस्पा किया गया। दिमागी बुखार के साथ अन्य संचारी रोगों से बचाव का उपाय भी बताया। आशा और संगिनी ने गांव की मीरा देवी, अनीता देवी और मालती देवी को बताया कि गंदगी व जलभराव से मच्छर पनपते हैं। मच्छरों के काटने से दिमागी बुखार, मलेरिया, फाइलेरिया जैसी संक्रामक बीमारी हो सकती है। ऐसे में सभी लोग अपने घरों के आस-पास साफ-सफाई रखें। गंदगी न होने दें। शौचालय का प्रयोग करें। खुले में शौच कत्तई न करें। साबुन पानी से हाथ धूलते रहें। किसी भी प्रकार का बुखार हो अपने मन से दवा न लें । प्रशिक्षित चिकित्सक की सलाह पर ही दवा लें। संगिनी ने लोगों को बताया कि सभी लोग स्वच्छ पेयजल का सेवन करें। साधारण हैंडपंप का पानी न पिएं। इंडिया मार्का हैंडपंप का पानी पिएं। पानी गरम करके पिएं। वहीं पर प्रसूता किरन देवी से कहा गया कि वह छह माह तक बच्चे को सिर्फ

और सिर्फ स्तनपान कराएं। छह माह बाद अनुपूरक आहार के साथ स्तनपान जारी रखें। मां का दूध बच्चे के लिए संपूर्ण आहार है। इसके बाद आशा व संगिनी ने उप स्वास्थ्य केन्द्र पिपरा कनक (मठिया) में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस(वीएचएनडी) में भी प्रतिभाग किया। ड्यू लिस्ट के अनुसार बच्चों और गर्भवती का टीकाकरण कराने में सहयोग किया।

लक्षण वाले व्यक्तियों के बारें में ली जानकारी- आशा संगिनी पूनम भारती ने दस्तक पखवाड़े के तहत घर-घर जाकर टीबी, दिमागी बुखार और कालाजार के लक्षण वाले व्यक्तियों तथा कुपोषित बच्चों के बारे में भी जानकारी हासिल किया । उन्होंने लोगों से कहा कि यदि किसी को लंबे समय से बुखार व खाँसी आ रही हो, वजन कम हो रहा हो तथा टीबी के लक्षण हो तो छिपाएं नहीं बल्कि खुल कर बताएं ताकि समय रहते जांच कर इलाज शुरू हो सके। इसी प्रकार कालाजार व फाइलेरिया के लक्षण बताकर जांच कराने की सलाह दी।

दिमागी बुखार से बचने के उपाय

-गंदगी से दूर रहें।

-घर के आस-पास गंदगी न होने दें।

-जल निकासी व जलभराव की समस्या हो तो तत्काल निस्तारण करें।

-शौचालय का प्रयोग करें।

-पूरी बांह की कमीज पहनें ।

-मच्छरदानी का प्रयोग करें।

-स्वच्छ पेयजल का सेवन करें।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने भगवान चित्रगुप्त के अवतरण दिवस पर किया हवन-पूजन कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की गाजीपुर इकाई ने जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शनिवार की देर रात भगवान चित्रगुप्त के अवतरण दिवस पर महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर भगवान चित्रगुप्त का हवन, पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान चित्रगुप्त की आरती के पश्चात सदर विधानसभा के विधायक जै किशन साहू, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव राजेश कुशवाहा, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के संरक्षक एवं महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश चंद्र श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से केक काटकर उपस्थित सभी चित्रांश बन्धुओं को भगवान चित्रगुप्त के अवतरण दिवस के अवसर पर बधाई दी। इसी अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जै किशन साहू ने उपस्थित सभी कायस्थ बन्धुओं को बधाई दी और कहा कि कायस्थ समाज

का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है। यह समाज कलम का सिपाही के रूप में जाना जाता है और देश को जब भी जरूरत पड़ी है कलम से ही नहीं बल्कि अपने पराक्रम और साहस से देश पर आये संकट से उबारने का काम किया है और आगे आकर देश को नई दिशा दिखाने का काम किया है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद, डॉ. राजेंद्र बाबू, डॉ. सुभाष चन्द्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, गणेश शंकर विद्यार्थी, मुंशी प्रेमचंद जैसे महापुरुषों की चर्चा करते हुए कहा कि हमें इन महापुरुषों के रास्ते पर चलकर देश को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चाहे जंगे आजादी की रही हो चाहे सम्पूर्ण क्रान्ति का आंदोलन, इन सभी लड़ाईयों में कायस्थ समाज ने अग्रणी भूमिका निभाई है। इस अवसर पर मुख्य रूप से हरिश्चंद्र गौड़, शशिकांत श्रीवास्तव, राजेंद्र अस्थाना, संजय श्रीवास्तव (ब्लाक अध्यक्ष रेवती पुर), अरुण सहाय, विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा के प्रतिनिधि पप्पू लाल श्रीवास्तव, चित्रगुप्त वंशीधर सभा के सचिव अजय श्रीवास्तव, आनंद श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, चित्रगुप्त कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (2150) के राष्ट्रीय सचिव अरूण कुमार श्रीवास्तव चुन्नू, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (2150) के जिलाध्यक्ष विभोर श्रीवास्तव, केशव श्रीवास्तव, संजय सेवराई, राजेश श्रीवास्तव एड., अमर सिंह राठौर एड., संजीव श्रीवास्तव (निदेशक लक्ष्य एके-डमी), संदीप वर्मा एड., कमल प्रकाश श्रीवास्तव एड., अनुराग श्रीवास्तव, परमानंद श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, अवनीश वर्मा, मोहनलाल श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, शिवम् श्रीवास्तव, विजय प्रकाश श्रीवास्तव, नन्हें, अखिलेश सिंह एड., नरसिंह यादव, राजेश कुमार यादव, कमला यादव, सुधीर यादव, संजय यादव, माधुरी श्रीवास्तव पूर्व सदस्य राज्य उपभोक्ता आयोग, विभा श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव, उर्मिला श्रीवास्तव, मेघा श्रीवास्तव, सुधांशु, हिमांशु, हर्ष, प्रियांशु, आर्यन, लिया, चमन, अभिषेक, रामनारायन यादव, अवधेश कुशवाहा आदि तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

पतरही बाजार हनुमान मंदिर पर शनिवार को बड़े धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती

प्रखर पतरही जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोपा में स्थित पतरही बाजार पुलिस चौकी के पास हनुमान मंदिर पर शनिवार को बड़े धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती।इस अवसर पर बाजारवासियों द्वारा हनुमान मंदिर की फूल माला से सजावट के साथ हनुमान जी का भव्य श्रंगार किया गया जिसे श्रद्धालु देखकर मंत्रमुग्ध हुए भोर से ही महिला एवं पुरूष श्रद्धालुओं का दर्शन करने का शिलशिला शुरू रहा।जय श्री राम एवं जय बजरंग बली के जयकारों से मंदिर गूँजता रहा।

बता दें कि हनुमान जी के जयंती के अवसर पर रामचरित मानस पाठ का आयोजन किया गया क्षेत्र के सुप्रसिद्ध गायक रमेश चौबे "सुरीला" व उनके टीम के श्रीमुख से रामचरित मानस पाठ के दोहा और चौपाइयों से माहौल राममय रहा।रामचरित मानस पाठ पूर्ण होने के बाद प्रसाद का वितरण किया गया।शुभ मुहूर्त में भक्तों द्वारा शौर्य और साहस के प्रतीक माने जाने वाले श्री हनुमान भगवान की पूजा अर्चना की गई। भक्तों ने पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए हनुमानजी की मूर्ति पर गुलाब की माला, चोला और सिंदूर लगाकर मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की।गौरतलब हो कि क्षेत्र के चांदेपुर,पड़रक्षाकोट,बिरिबारी, बहिरी,बरहपुर,बिसौरी,दुधौड़ा, लहरचक सभी हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का दर्शन करने का

शिलशिला चलता रहा।अधिकांश लोगों ने हनुमान जी का घर पर केक काटकर हनुमान जयंती मनाया।हनुमान जयंती के अवसर पर ग्राम प्रधान चन्द्रकेश जायसवाल,राहुल सिंह,पंकज सिंह,पूर्व ग्राम प्रधान कोपा सुरेन्द्र जायसवाल, विवेक सिंह "डब्बू",समाजसेवी मुकेश सिंह "गेंदी", सोहन सिंह, प्रवीण सिंह "मोनू", रामआसरे "पुतुल गिरी"," अनिल यादव मैनेजमेंट गुरु"एवं पुलिस चौकी के समस्त स्टाफ सहित बाजारवासी और क्षेत्रवासियों ने हनुमान जी का दर्शन-पूजन किया।

संक्षिप्त खबरें

गोमटी में रखा सिलेंडर फटा, हजारो के सामान जला

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के बचौरा गांव में सड़क के किनारे चाय पान के दुकान में रखा सिलेंडर बीती रात तेज आवाज के साथ विस्फोट कर गया। जिससे गोमटी पूरी तरह जलकर राख हो गई। तेज आवाज सुन लोग घरों से बाहर निकल आये। घटना रात्रि 2 बजे की बताई जाती है। बताते हैं कि गांव के ही भोलानाथ एक सड़क के किनारे ईट भट्ठे के नजदीक गोमटी लगाकर चाय पान बेचकर जीविकोपार्जन करता है। चाय के लिए एक छोटा सिलेंडर भी गोमटी में रखा था। रात्रि में सिलेंडर में लीकेज से निकली गैस अचानक तेज आवाज के साथ आग का गोला बन गई और गोमटी को पूरी तरह जलाने के साथ बगल में स्थित ईट भट्ठे के दो मड़ई को भी चपेट में ले लिया। जिसपर ग्रामीणों ने तो काबू पा लिया लेकिन गोमटी जलकर राख हो गई। घटना कि सूचना पर कठिराव चौकी इंचार्ज भी मयफोर्स पहुचे लेकिन तब तक आग खत्म हो चुकी थी। संजोग से गोमटी में किसी के न होने से कोई बड़ी घटना नही हुई अलबत्ता हजारो रुपये मूल्य के सामान जलकर राख हो गए। वही आग लगने के कारणों का पता नही चल सका। पीड़ित ने इसे शरारती तत्वों की करतूत बताया।

कचौड़ी गली में एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत नखास के पास कचौड़ी गली में आज दिन रविवार को एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय निवासियों की सूचना पर घटना स्थल पर पुलिस अधीक्षक ने पहुच के निरीक्षण किया और वहां मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दिन रविवार 17 अप्रैल की सुबह सुचना मिली कि कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नखास के पास कचौड़ी गली में एक व्यक्ति का शव जिसकी उम्र लगभग 45 वर्ष पड़ा है। इस सुचना पर पुलिस अध्यक्ष द्वारा घटना स्थल पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया और वहां मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली गई। पुलिस अधीक्षण ने बताया कि हत्या का संभावित कारण मकान की खरीद और कब्जे को लेकर विवाद है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया है।

गर्मी बढ़ने से मिट्टी के मटके और घड़े की डिमांड बढ़ी

प्रखर तमकुही,कुशीनगर। तापमान में इजाफा होने से गर्मी बढ़ गई है। सूरज की तपिश को देख कर लोग कल्पना कर रहे हैं कि अभी जब अप्रैल के महीना में इतनी गर्मी है, तो मई और जून में क्या होगा। ऐसे में मिट्टी के बर्तनों की डिमांड बढ़ गई है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए क्षेत्र के बाजारों में जगह-जगह मिट्टी के बर्तन बेचे जा रहे हैं। गर्मियों के मौसम में निम्न आय वर्ग के लोग मिट्टी के बर्तनों में रखा पानी पी कर खुद को ठंडा रखते हैं। मिट्टी के बर्तन या घड़े का पानी न सिर्फ सेहत के लिए लाभदायक होता है बल्कि ये गर्मी में शीतलता भी प्रदान करता है। इसे देखते हुए मिट्टी के बर्तनों की डिमांड बढ़ने लगी है। पिछले दो वर्ष से कोरोना संक्रमण के कारण अधिकतर लोग फ्रीज का ठंडा पानी पीने से परहेज कर रहे हैं, लेकिन गर्मियों में घड़े का पानी ठंडा-ठंडा कूल-कूल बना रहता है। इसलिए लोग मिट्टी के बने घड़े और बर्तनों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। बाजारों में मिट्टी के बर्तन और घड़े साधारण के अलावा आकर्षक रंगों में भी उपलब्ध हैं। गर्मियां बढ़ने से यहां घड़े और मटकों की बिक्री जोरों से हो रही हैं। लोगों का कहना है कि असल प्यास मटके के ठंडे पानी से ही बुझता है। यह सही है कि फ्रीज का भी पानी ठंडा होता है लेकिन उससे प्यास नहीं बुझती हैं। इस कार्य मे लगे व्यवसाइयों ने कहा कि जब पछुआ हवा चलती है तो मटके की खरीदारी ज्यादा होती है। मटके में रखा ठंडा पानी लोगों की सेहत पर किसी तरह का दुष्प्रभाव नहीं करता हैं। गेहूं की कटाई चल रही हैं और लोग मटको में पानी लेकर अपने खेतों में जाते हैं और वहां कही छाये में रख देते हैं और फिर प्यास लगने पर अपनी प्यास बुझाते हैं तो वही घरो पर भी लोग इसी में पानी रखते हैं। कुछ लोग इसमे हरी सब्जियां भी रखते हैं। यह देशी फ्रिज के रूप में भी जाना जाता हैं।

काशी प्रबुद्ध महिला मंच वाराणसी ने वैसाखी के रंग सखियों के संग थीम पर किया कार्यक्रम

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वैसाखी के रंग सखियों के संग थीम पर काशी प्रबुद्ध महिला मंच की सदस्यायों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति दी जिसमें गिद्धा डांस प्रमुख आकषर्क का केन्द्र रहा नववर्ष में सभी ने अपने विचार व्यक्त किये। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम साथ गेम भी कराये गये अध्यक्षा अंजली अग्रवाल ने वैसाखी पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला ` कार्यक्रम का संचालन रेनू कैला ने किया व संयोजिका छवि अग्रवाल व शोभा कपूर के साथ मंच की सदस्यायों रीता अग्रवाल ,ममता जायसवाल ,अमृता शर्मा ,ममता पाड्या, नूतन ,चन्द्रा शर्मा, संगीता अग्रवाल ने अपने नृत्य उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं